सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

वर्ष 01, अंक 241, नई दिल्ली | रविवार, 12 नवम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

रोहिणी में हुए हादसे का बस के अंदर का फुटेज आया सामने, वीडियो देखकर खड़े हो जाएंगे रोंगटे

संजय बाटला, संपादक

शनिवार की दोपहर को राजधानी दिल्ली के दक्षिणी रोहिणी इलाके में डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस बेकाबू हो गई थी। बेकाबू बस ने कई वाहनों को रौंद दिया था। बस की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य घायल हो गया। घटना वाले दिन दिल दहलाने वाला वीडियो सामने आया था। अब एक और नया वीडियो सामने आया है।

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी में बीते शनिवार को हुए सड़क हादसे का नया वीडियो सामने आया है। बस के अंदर का CCTV फुटेज सामने आने के बाद हादसे की वजह का भी खुलासा हो गया है। दरअसल, ड्राइवर को मिर्गी का दौरा पड़ गया था। इस वजह से चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया था और हादसा हो गया।

इससे पहले, शनिवार की दोपहर (4 नवंबर) को राजधानी दिल्ली के दक्षिणी रोहिणी इलाके में डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस बेकाबू हो गई थी। बेकाबू बस ने कई वाहनों को रौंद दिया था। बस की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य घायल हो गया। घटना वाले दिन दिल दहलाने वाला वीडियो सामने आया था। वीडियो में डीटीसी बस वाहनों को रौंदते हुए दिखाई दे रही है।

हादसे में कार समेत 12 से ज्यादा वाहन क्षतिग्रस्त हो गए थे। पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने से हुई मौत का मामला दर्ज कर आरोपी बस चालक संदीप को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस बस में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच कर हादसे के कारणों का पता लगा रही है।

उधर, दिल्ली के परिवहन विभाग की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया है कि अचानक बेहोश होने की वजह से चालक ने बस पर अपना नियंत्रण खो दिया था। बस सड़क पर बाईं ओर खड़े वाहनों से जा टकराई। कंडक्टर ने पीसीआर को बुलाया और घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाने में पुलिस की मदद की।

वरिष्ठ अधिकारियों ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया साथ ही घायल की हाल जानने के लिए अंबेडकर अस्पताल भी गए। विभाग का कहना है कि जहां तक मशीनों की खराबी का सवाल है, दिल्ली सरकार के पास शहर में सुरक्षित और परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए मानक प्रक्रियाएं हैं।

घटनास्थल के पास मची अफरातफरी

बेकाबू बस को कार, बैटरी रिक्शा और अन्य दोपहिया वाहनों को टक्कर मारते देख घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। सड़क से जा रहे लोग खुद को सुरक्षित करने के लिए दूर भागने लगे। आसपास से जा रहे चालकों ने भी अपने वाहन सड़क के किनारे कर लिए। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के समय बस अचानक बेकाबू हो गई। पहले अपने आगे चल रहे तीन चार दो पहिया वाहन को टक्कर मारी और फिर दाईं ओर से जा रही ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी।

इसी बीच दूसरी सड़क से मुख्य सड़क पर आ रही कार बस के सामने आ गई। कार में जोरदार टक्कर मारने के बाद बस उसे घसीटते हुए दूर ले गई। उसके बाद बस सड़क के किनारे आ गई। किनारे खड़ी छह से ज्यादा स्कूटी को टक्कर मारने के बाद रुक गई। लोगों ने बताया कि गनीमत रही कि घटना के समय स्कूटी पर कोई सवार नहीं था। नहीं तो हादसे में कई लोगों चपेट में आ सकते थे।

हादसे की वजह का खुलासा

लेकिन अब डीटीसी बस के अंदर का फुटेज सामने आया है। जिसके बाद हादसे की वजह का खुलासा हुआ है। हादसा बस चालक की लापरवाही से नहीं, बल्कि बीमारी की वजह से हुआ था। चालक ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसे मिर्गी का दौरा आया था। इस वजह से उसने बस से नियंत्रण खो दिया। बेकाबू बस ने कई वाहनों को रौंद दिया। हादसे में युवक की मौत हो गई थी। ड्राइवर का नाम संदीप बताया जा रहा है। वह दिल्ली का रहने वाले बताया गया है।

एक्वा लाइन मेट्रो पर यात्रियों को मिलेगी यह खास सुविधा, NMRC के राजस्व में होगी बढ़ोतरी

परिवहन विशेष न्यूज

NMRC की ओर से नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच संचालित हो रही एक्वा लाइन मेट्रो में सवारियों को जल्द पावर बैंक की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए शुल्क जल्द ही निर्धारित किया जाएगा। स्टेशन पर चढ़ते समय पावर बैंक मिलेगा। इसके बाद गंतव्य स्टेशन पर उतरते समय संबंधित स्थान पर पावर बैंक वापस जमा करना होगा। यह सुविधा जल्द से जल्द शुरू की जाएगी।

नोएडा। नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन (एनएमआरसी) की ओर से नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच संचालित हो रही एक्वा लाइन मेट्रो में सवारियों को जल्द पावर बैंक की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए शुल्क जल्द ही निर्धारित किया जाएगा। स्टेशन पर चढ़ते समय पावर बैंक मिलेगा। इसके बाद गंतव्य स्टेशन पर उतरते समय संबंधित स्थान पर पावर बैंक वापस जमा करना होगा।

यह निर्णय सेक्टर-29 में स्थित एनएमआरसी कार्यालय पर आयोजित बैठक में प्रबंध निदेशक डॉ लोकेश एम ने लिया। इसमें एनएमआरसी संपत्ति व्यवसाय राजस्व बढ़ाने पर गहनता से चर्चा हुई। बैठक में बंगलूरू के प्रमुख सलाहकार बसंत राव, एनएमआरसी मुख्य महाप्रबंधक मनोज कुमार, महाप्रबंधक पंकज कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सुविधा दिलाने के लिए कंपनी से चल रही है बात

एमडी डॉ लोकेश एम ने कहा कि पावर बैंक की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एक कंपनी से बातचीत चल रही है। यह सुविधा जल्द से जल्द शुरू की जाएगी, ताकि लोगों को इसका लाभ मिल सके। यह सुविधा से एक्वा मेट्रो में सफर करने वाली सवारियों को मोबाइल चार्ज करने के लिए परेशान नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कंपनी की सेक्टर-94 स्थित जमीन पर पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। प्राधिकरण ने करीब चार साल पहले 3.75 हेक्टेयर जमीन एनएमआरसी को दी थी। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि नोएडा-ग्रेनो के बीच मेट्रो चलाने की तैयारियों के समय ही दोनों प्राधिकरण से एनएमआरसी का काफी जमीन लेने का अनुबंध हुआ था।

उसके तहत सेक्टर-94 में मिल चुकी है, अभी काफी जमीन मिलनी प्रस्तावित है। नोएडा से 31.25 हेक्टेयर और ग्रेटर नोएडा से 12 हेक्टेयर जमीन मिलनी प्रस्तावित है। एमडी डा लोकेश एम ने कहा कि बाकी बची जमीन को प्राप्त करने के लिए दोनों प्राधिकरण के साथ समन्वय बैठक की जाए।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि सेक्टर-142 मेट्रो स्टेशन के पास भी व्यावसायिक उपयोग के लिए करीब एक हजार वर्ग मीटर जमीन खाली पड़ी है। इस जमीन का कई साल से एनएमआरसी ने उपयोग नहीं किया गया है। ऐसे में जल्द ही व्यावसायिक उपयोग करने को लेकर प्रबंध निदेशक डॉ लोकेश एम ने अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके अलावा सेक्टर अल्फा-1 मेट्रो स्टेशन पर क्योस्क स्थापित करने का प्रविधान कर गैर किराया राजस्व बढ़ाया जाए।

स्टेशन के पास उपलब्ध होगी पार्किंग

इसके बाद स्टेशन पर उपलब्ध पार्किंग, स्थल का पार्किंग सहित अन्य चीजों का व्यावसायिक उपयोग करने का लेकर भी प्रबंध निदेशक डा लोकेश एम ने निर्देश दिया।अभी इस लाइन के सेक्टर-51 और 137 स्टेशन पर कुछ क्योस्क खुल गए हैं। इन जगह खानपान का सामान मिल रहा है। सेक्टर-137 स्टेशन पर जल्द ही मेट्रो कोच के अंदर रेस्टोरेंट की सुविधा भी मिलनी शुरू हो जाएगी।

बुलेट ट्रेन लोको पायलट की ट्रेनिंग होगी जापान में

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। भारतीय बुलेट ट्रेन को दौडाने से पहले लोको पायलटों की ट्रेनिंग दुनियां की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली जापान की शिनकानसेन बुलेट ट्रेन मैनेजमेट से दिलाई जाएगीं।जून 2024 तक पायलटों के पहले बैच को शिनकानसेन बुलेट ट्रेन की ट्रेनिंग दिलाने के लिए जापान भेज दिया जाएगा। बुलेट ट्रेन के लोको पायलट की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नैशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन (एनएचएसआरसीएल) के मुताबिक भर्ती प्रक्रिया के बाद जो भी कैंडिडेट सेलेक्ट होंगें, उन्हें भारतीय रेल या मैट्रो चलाने का कम से कम 3 साल का अनुभव होना चाहिए। इसके अलावा शारीरिक और मानसिक तौर पर वे एकदम स्वस्थ होने चाहिए। टोटल भर्ती प्रक्रिया का क्राइटेरिया भारतीय रेल जैसा ही होगा। अधिकारियों के मुताबिक पहले बैच में 20 हाई स्पीड ट्रेन पायलटों की भर्ती की जा रही है। साल 2024 के जनवरी-फरवरी तक भर्ती प्रक्रिया के बाद पहले बैच को शिनकानसेन बुलेट ट्रेन से ट्रेनिंग दिलाने के लिए जापान भेज दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुंबई से साबरमती (गुजरात) तक 508 किलोमीटर की दूरी में चलने वाली देश की पहली बुलेट ट्रेन होगी। पहले चरण में गुजरात के सूरत से बिलिमोरांकाखंअंआअंअअंअंअं वाले 50 किलोमीटर के रूट पर ट्रायल रन होगा। इसके अगस्त 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। 2027 तक बुलेट ट्रेन सर्विस बडे रूट तक शुरू हो जाएगी। इस ओर कार्य प्रगति से चल रहा है।

दिल्ली में जीपीएस के नाम पर हो रही परिवहन विभाग में बड़ी लूट

ऑल इंडिया ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन रजि

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। ऑल इंडिया ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कौशिक ने सीएम केजरीवाल को पत्र लिखकर कहा कि हम आपको दिल्ली परिवहन में हो रही बड़ी लूट के बारे में अवगत कराना चाहते हैं हमने श्रीमान कैलाश गहलोत परिवहन मंत्री दिल्ली प्रदेश को भी पहले सूचित किया था कि जीपीएस के नाम पर बड़ी लूट हो रही है जो अथॉरिटी द्वारा जीपीएस लगाया गया है वह चला भी नहीं है फिर भी 10000 से 12000 रुपया लिया जाता है प्रसवेट एजेंसी को काम दिया हुआ है वह एजेंसी किसकी है कृपया आप चेक करें उस एजेंसी करोड़ों रुपया ट्रक इंडस्ट्री का खाया है मैं आशा करता हूं कि आप ट्रक वालों की आवाज को सुनकर एक बहुत मजबूत कदम उठाएंगे।

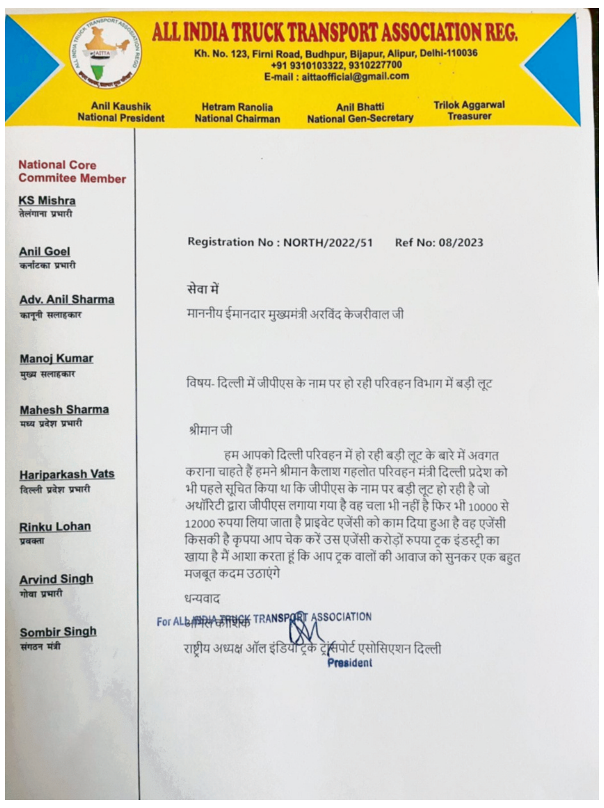

ALL INDIA TRUCK TRANSPORT ASSOCIATION REG.
Kh. No. 123, Firni Road, Budhpur, Bijapur, Alipur, Delhi-110036
+91 9310103322, 9310227700
E-mail : aittaofficial@gmail.com

Anil Kaushik, National President | Hetram Ranolia, National Chairman | Anil Bhatti, National Gen-Secretary | Trilok Aggarwal, Treasurer

National Core Commitee Member
KS Mishra – तेलंगाना प्रभारी
Anil Goel – कर्नाटका प्रभारी
Adv. Anil Sharma – कानूनी सलाहकार
Manoj Kumar – मुख्य सलाहकार
Mahesh Sharma – मध्य प्रदेश प्रभारी
Hariparkash Vats – दिल्ली प्रदेश प्रभारी
Rinku Lohan – प्रवक्ता
Arvind Singh – गोवा प्रभारी
Sombir Singh – संगठन मंत्री

Registration No : NORTH/2022/51 Ref No: 08/2023

सेवा में
माननीय ईमानदार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी

विषय- दिल्ली में जीपीएस के नाम पर हो रही परिवहन विभाग में बड़ी लूट

श्रीमान जी

हम आपको दिल्ली परिवहन में हो रही बड़ी लूट के बारे में अवगत कराना चाहते हैं हमने श्रीमान कैलाश गहलोत परिवहन मंत्री दिल्ली प्रदेश को भी पहले सूचित किया था कि जीपीएस के नाम पर बड़ी लूट हो रही है जो अथॉरिटी द्वारा जीपीएस लगाया गया है वह चला भी नहीं है फिर भी 10000 से 12000 रुपया लिया जाता है प्राइवेट एजेंसी को काम दिया हुआ है वह एजेंसी किसकी है कृपया आप चेक करें उस एजेंसी करोड़ों रुपया ट्रक इंडस्ट्री का खाया है मैं आशा करता हूं कि आप ट्रक वालों की आवाज को सुनकर एक बहुत मजबूत कदम उठाएंगे

धन्यवाद
For ALL INDIA TRUCK TRANSPORT ASSOCIATION
अनिल कौशिक
राष्ट्रीय अध्यक्ष ऑल इंडिया ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन दिल्ली
President

दिवाली पर घर जाने के लिए उमड़ा लोगों का सैलाब, आनंद विहार की वीडियो आई सामने

दिवाली का त्यौहार मनाने के लिए लोग अपने घरों की ओर जा रहे हैं। जिसके चलते आनंद विहार-कौशांबी में दिल्ली-यूपी सीमा पर आनंद विहार रेलवे स्टेशन और अंतरराज्यीय बस टर्मिनल के पास लोगों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। जिसका एक वीडियो सामने आया है। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा ड्रोन कैमरे से यह वीडियो लिया गया है।

प्यार और इंसानियत रूपी दीयों की कतारे लगायें

ललित गर्ग

दीपावली एक लौकिक पर्व है। यह आत्मज्योति जगाने एवं भीतर की दुनिया को उज्ज्वल बनाने का पर्व है, इसलिये दीपों की कतारे लगाकर केवल बाहरी अंधकार को ही नहीं, बल्कि भीतरी अंधकार को मिटाने के जतन करने होंगे। हम भीतर में धर्म का दीप जलाकर मोह और मूर्च्छा के अंधकार को दूर कर सकते हैं। भीतर की शुद्धि के अपने मायने हैं। लव ऑर एबव की संस्थापक और हीलर क्रिस्टी मैरी शेल्डन कहती हैं, 'जितना हम अपनी बुरी आदतों की सफाई करते हैं, उतना ही अच्छा महसूस करते हैं। भीतर की अच्छी ऊर्जा का प्रवाह हमारे आसपास पर भी अच्छा असर डालता है।' इसी सोच के साथ हमें दीपावली को कोरा भौतिक ही नहीं, आध्यात्मिक स्वरूप देना होगा। झोपड़ियों के अंधकार को मिटाने श्रीराम आयेंगे-गीत की पंक्तियों के अनुरूप घर-घर में श्रीराम की प्रतिष्ठा कर दीपावली को अर्थपूर्ण बनाये।

जीवन को अध्यात्म के दीपों से रोशनीमय बनाने के लिये जरूरी है कि हम सबसे अधिक स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार करें। जबकि अक्सर हम अपनी ही अनदेखी करते हैं। ऐसे में कभी-कभी खुद का हाल-चाल पूछना, फालतू विचारों और गिले-शिकवों की रद्दी को हटाकर दिल और दिमाग को हल्का और शांत करना खुद को नई शक्ति से भरपूर करना है। भीतर की शुद्धि का एक मतलब यह भी है कि हम दूसरों को गलत ठहराने की जगह अपनी गलती ढूंढ़ें। उसमें सुधार करें। लेखक एडमंड एमबाइका मानते हैं कि अपनी सफलता और खुशी के लिए केवल हम जिम्मेदार हैं, कोई और नहीं। अपने रोज के सही कामों से हम खुद को ही खुश करते हैं।' इसलिये दीपावली एक शुरुआत है अच्छे बनने, अच्छा करने एवं अच्छा सोचने की।

दीपावली के मौके पर सभी आमतौर से अपने घरों की साफ-सफाई, साज-सज्जा और उसे संवारने-निखारने का प्रयास करते हैं। उसी प्रकार अगर भीतर चेतना के आँगन पर जमे कर्म के कचरे को बुहारकर साफ किया जाए, उसे संयम से सजाने-संवारने का प्रयास किया जाए और उसमें आत्मा रूपी दीपक की अखंड ज्योति को प्रज्वलित कर दिया जाए तो मनुष्य शाश्वत सुख, शांति एवं आनंद को प्राप्त हो सकता है। केवल बाहर की साफ-सफाई से काम नहीं चलता। भीतर के कोनों में जमी गंदगी और जालों को भी हटाना होता है। कारण कि गंदगी जितनी भी तहों के बीच क्यों ना दबी हो, देर-सवेर बाहर आती ही है। दीपावली जैसे शक्ति का असली उत्सव, अपने भीतर की बगिया में उग आई कंटीली झाड़ियों को हटाकर ही मनाया जा सकता है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप पूजा-पाठ करते हैं या नहीं। मंदिर जाते हैं या नहीं। मायने इस बात के हैं कि आप खुद को और दूसरों को क्या समझते हैं। इंसानियत के दर्शन को कितनी तवज्जो देते हैं। बौद्ध गुरु दलाई लामा कहते हैं, 'मंदिर की जरूरत नहीं है, ना ही भारी-भरकम जटिल दर्शन की। मेरा दिल और दिमाग ही मेरे मंदिर हैं और करुणा मेरा दर्शन।'

दीपों की कतारें दीपावली का शाब्दिक अर्थ ही नहीं, वास्तविक अर्थ है। कतारों के लिए निरंतरता जरूरी है। और निरंतरता के लिए नपा-तुला क्रम। दीप जब कतार में होते हैं, तो आनंद का सूचक बन जाते हैं। जैसे कोई मूक उत्सव हो- जगर-मगर उजाले का। उजालों की पंक्तियां उल्लास का द्योतक हैं। दीप होते ही प्रेरक हैं। एक बाती, अंजुरी-भर तेल और राह-भर प्रकाश। जितना सादा दीपावली का दीपक होता है, उससे सादा कुछ नहीं हो सकता। माटी ने ज्यों पक-जमकर, बाती के बीज से ज्योत पल्लवित की हो। यह विजय पताका कार्तिक अमावस्या के अंधेरे की पूरी रात दूर रखती है। दीपावली की रात को हर दीप रोशनी की लहर बनाता है, उजालों के समन्दर में अपना योगदान देता है। ठीक ऐसा ही उजाला भीतर भी हो।

शेक्सपियर की चर्चित पंक्ति है- 'अगर रोशनी पवित्रता का जीवन रक्त है तो विश्व को रोशनीमय कर दो / जगमगा दो और इसे जी-भरकर बाहुल्यता से प्राप्त करो।' शेक्सपियर ने यह पंक्ति चाहे जिस संदर्भ में कही हो, पर इसका उद्देश्य निश्चित ही पवित्र था और अनेक अर्थों को लिए हुए यह उक्ति सचमुच में जीवन व्यवहार की स्पष्टता के अधिक नजदीक है। दीपावली का पर्व और उससे जुड़े रोशनी के दर्शन का भी यह उद्घोष है। रोशनी ! उत्सव का प्रतीक, खुशी के इज़हार करने का प्रतीक है, आत्मा को उजालने का द्योतक है, सफलता की प्रतीति है। अगर हम इस सोच को गहराई में डुबो लें तो ये सूक्तियां हमारे जीवन की रक्त धमनियां बन सकती हैं और उससे उत्तम व्यवहार की रश्मियां प्रस्फुटित हो सकती है। उन रश्मियों की निष्पत्तियां के स्वर होंगे- "सदा दीपावली संत की आठों पहर आनन्द", "घट-घट दीप जले", "दीये की लौ सूरज से मिल जाये"।

दीपावली का सम्पूर्ण पर्व एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक आत्मज्योति है, एक प्रकार की गति है। एक सत्य से दूसरे सत्य की ओर अनवरत, अनिरुद्ध गति ही दीपावली की जीवंतता है। जीवन के अनेक अनुभवों का समवाय है दीपावली। एक अनुभूति से दूसरी अनुभूति तक की यात्रा में जो दीपावली के विलक्षण एवं अद्भुत क्षणों की गति है, वही जीवन की वास्तविकता है। जीवन एक यात्रा है, सतत यात्रा। ठीक इसी तरह दीपावली भी एक यात्रा है, एक प्रस्थान है, कुछ नया पाने की, अनूठा करने की, भीतर संसार को समृद्ध बनाने की। उजालों का स्वागत करें। दीपावली की रात भारत भूमि पर आसमान उतर आता है। ज्यों आकाश में तारे टिमटिमाते हैं, सो उस रात धरा पर दिए टिमटिमाते हैं। दीपावली पर रोशनी का परचम बुलंद किए हौसलेमंद दिए ज्यों तम के सामने डट जाते हैं, वह एक कालजयी ऐलान है विजय का। इस विजय को पाने एवं मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता। एक बार अंधकार ने ब्रह्माजी से शिकायत की कि सूरज मेरा पीछा करता है। वह मुझे मिटा देना चाहता है। ब्रह्माजी ने इस बारे में सूरज को बोला तो सूरज ने कहा-मैं अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर, आप पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करें। मैं उसकी शक्ल-सूरत देखना चाहता हूँ। ब्रह्माजी ने उसे सूरज के सामने आने के लिए कहा तो अंधकार बोला-मैं उसके पास कैसे आ सकता हूँ? अगर आ गया तो मेरा अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। समाज में उजाला फैलाने के लिये इंसान के अंदर इंसानियत होना जरूरी है। जिस तरह दीप से दीप जलता है, वैसे ही प्यार देने से प्यार बढ़ता है और समाज में प्यार और इंसानियत रूपी उजालों की आज बहुत जरूरत है।

जीवन के ह्रास और विकास के संवादी सूत्र हैं- अंधकार और प्रकाश। अंधकार स्वभाव नहीं, विभाव है। वह प्रतीक है हमारी वैयक्तिक दुर्बलताओं का, अपाहिज सपनों और संकल्पों का। निराश, निष्क्रिय, निरुद्देश्य जीवन शैली का। स्वीकृत अर्थशून्य सोच का। जीवन मूल्यों के प्रति टूटती निष्ठा का। विधायक चिन्तन, कर्म और आचरण के अभाव का। अब तक उजालों ने ही मनुष्य को अंधेरों से मुक्ति दी है, इन्हीं उजालों के बल पर उसने ज्ञान को अनुभूत किया अर्थात सिद्धांत को व्यावहारिक जीवन में उतारा। यही कारण है कि उसकी हस्ति आजतक नहीं मिटी। उसकी दृष्टि में गुण कोरा ज्ञान नहीं है, गुण कोरा आचरण नहीं है। दोनों का समन्वय है। जिसकी कथनी और करनी में अंतर नहीं होता वही समाज में आदर के योग बनता है।

हम उजालों की वास्तविक पहचान करें, अपने आप को टटोलें, अपने भीतर के काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर आदि कषायों को दूर करें और उसी मार्ग पर चलें जो मानवता का मार्ग है। हमें समझ लेना चाहिए कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है, वह बार-बार नहीं मिलता। समाज उसी को पूजता है जो अपने लिए नहीं दूसरों के लिए जीता है। इसी से गोस्वामी तुलसीदासजी ने कहा है-'परहित सरिस धरम नहीं भाई'। स्मरण रहे कि यही उजालों को नमन है और यही उजाला हमारी जीवन की सार्थकता है। जो सच है, जो सही है उसे सिर्फ आंख मूंदकर मान नहीं लेना चाहिए। खुली आंखों से देखना एवं परखना भी चाहिए। प्रमाद टूटता है तब व्यक्ति में प्रतिरोधात्मक शक्ति जागती है। वह बुराइयों को विराम देता है।

जानें लक्ष्मी-गणेश पूजन विधि, शुभ मुहूर्त, महत्व और इस दिन क्या करें क्या नहीं

दिवाली की रात सर्वार्थ सिद्धि की रात मानी जाता है। ऐसे में शुभ मुहूर्त में विधि-विधान के साथ पूजन करने से जीवन में खुशियां आती हैं। आपका पूरा साल अच्छा बीतेगा और आप पर लक्ष्मी-गणेश जी की कृपा बनी रहेगी।

12 नवंबर को 2023 को दिवाली है। यह हिन्दू धर्म का एक प्रमुख पर्व है। यह पर्व पूरे भारत में बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जाता है। दीपावली को रोशनी, उल्लास और शुभकामनाओं का प्रतीक माना जाता है। दिवाली की रात लक्ष्मी-गणेश की पूजा का सबसे अधिक महत्व होता है। मान्यता है कि यदि आप सच्चे मन और विधि विधान से पूजा करते हैं, तो धन की देवी मां लक्ष्मी और बुद्धि के देवता गणेश आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपका पूरा साल अच्छा बीतेगा और आप पर लक्ष्मी-गणेश जी की कृपा बनी रहेगी। दिवाली की रात सर्वार्थ सिद्धि की रात मानी जाता है। ऐसे में शुभ मुहूर्त पर विधि-विधान के साथ पूजन करने से जीवन में खुशियां आती हैं। तो चलिए जानते हैं दिवाली की पूजा विधि, शुभ मुहूर्त, महत्व और इस दिन क्या करें क्या नहीं...

दिवाली 2023 पूजा का शुभ मुहूर्त (Diwali 2023 Puja Muhurat)

दिवाली की पूजा का शुभ मुहूर्त 12 नवंबर की शाम 5 बजकर 40 मिनट से लेकर 7 बजकर 36 मिनट तक है। वहीं लक्ष्मी पूजा के लिए महानिशीथ काल मुहूर्त रात 11 बजकर 39 मिनट से मध्यरात्रि 12 बजकर 31 मिनट तक है। इस मुहूर्त में लक्ष्मी पूजा करने से जीवन में अपार सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी।

दिवाली पूजा सामग्री लिस्ट (Diwali 2023 Puja Samagri List)

मां लक्ष्मी, गणेश जी, माता सरस्वती और कुबेर देव की मूर्ति

अक्षत, लाल फूल, कमल के और गुलाब के फूल, माला, सिंदूर, कुमकुम, रोली, चंदन

पान का पत्ता और सुपारी, केसर, फल, कमलगट्टा, पीली कौड़ियां, धान का लावा, बताशा, मिठाई, खीर, मोदक, लड्डू, पंच मेवा

शहद, इत्र, गंगाजल, दूध, दही, तेल, शुद्ध घी, कलावा, पंच पल्लव, सप्तधान्य

कलश, पीतल का दीपक, मिट्टी का दिया, रुई की बत्ती, नारियल, लक्ष्मी और गणेश के सोने या चांदी के सिक्के, धनिया

आसन के लिए लाल या पीले रंग का कपड़ा, लकड़ी की चौकी, आम के पत्ते

लौंग, इलायची, दूर्वा आदि।

दिवाली 2023 पूजा विधि (Diwali Puja Vidhi 2023)

दिवाली पर मुख्य रूप से मां लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है। ऐसे में पूजा के लिए सबसे पहले पूजा स्थान को साफ करें और एक चौकी पर लाल या पीले रंग का कपड़ा बिछाएं। फिर इस चौकी पर बीच में मुट्ठी भर अनाज रखें। कलश को अनाज के बीच में रखें। इसके बाद कलश में पानी भरकर एक सुपारी, गेंदे का फूल, एक सिक्का और कुछ चावल के दाने डालें। कलश पर 5 आम के पत्ते गोलाकार आकार में रखें। बीच में देवी लक्ष्मी की मूर्ति और कलश के दाहिनी ओर भगवान गणेश की मूर्ति रखें। अब एक छोटी-सी थाली में चावल के दानों का एक छोटा सा पहाड़ बनाएं, हल्दी से कमल का फूल बनाएं, कुछ सिक्के डालें और मूर्ति के सामने रखें दें। इसके बाद अपने व्यापार/लेखा पुस्तक और अन्य धन/व्यवसाय से संबंधित वस्तुओं को मूर्ति के सामने रखें। अब देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश को तिलक करें और दीपक जलाएं।

इसके साथ ही कलश पर भी तिलक लगाएं। इसके बाद भगवान गणेश और लक्ष्मी को फूल चढ़ाएं और पूजा के लिए अपनी हथेली में कुछ फूल रखें। अपनी आंखें बंद करें और दिवाली पूजा मंत्र का पाठ करें। हथेली में रखे फूल को भगवान गणेश और लक्ष्मी जी को चढ़ाएं। लक्ष्मी जी की मूर्ति लें और उसे पानी से स्नान कराएं और उसके बाद पंचामृत से स्नान कराएं। मूर्ति को फिर से पानी से स्नान कराकर, एक साफ कपड़े से पोछें और वापस रख दें। मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम और चावल डालें। माला को देवी के गले में डालकर अगरबत्ती जलाएं। फिर नारियल, सुपारी, पान का पत्ता माता को अर्पित करें। देवी की मूर्ति के सामने कुछ फूल और सिक्के रखें। थाली में दीया लें, पूजा की घंटी बजाएं और लक्ष्मी जी की आरती करें।

दिवाली पूजा मंत्र (Diwali Puja Mnatra)

मां लक्ष्मी मंत्र

ऊँ श्रींह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ऊँ महालक्ष्मी नमः॥

श्री गणेश मंत्र

गजाननम्भूतगभू गणादिसेवितं कपित्थ जम्बू फलचारुभक्षणम्।

उमासुतं सु शोक विनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वरपादपंकजम्।

कुबेर मंत्र

ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं श्रीं कुबेराय अष्ट-लक्ष्मी मम गृहे धनं पुरय पुरय नमः॥

दिवाली पर क्या करें?

दिवाली के दिन प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर स्वच्छ एवं सुन्दर वस्त्र धारण करें।

दिन में पकवान बनाएं और घर सजाएं। अपने से बड़ों का आशीर्वाद लें।

शाम को पूजा से पहले पुनः स्नान करें।

इसके बाद लक्ष्मी-गणेश की विधि-विधान से पूजा करें।

व्यावसायिक प्रतिष्ठान, गद्दी की भी विधिपूर्वक पूजा करें।

घर के मुख्य द्वार पर दिपक जलाएं।

दिवाली पर क्या न करें?

दिवाली के दिन घर के प्रवेश द्वार पर या घर के अंदर कहीं भी गंदगी न रहने दें।

इस दिन किसी गरीब या जरूरतमंद को दरवाजे से खाली हाथ न लौटाएं।

दिवाली के दिन जुआ न खेलें, शराब पीने और मांसाहारी भोजन लेने से बचें।

भगवान गणेश की ऐसी मूर्ति न रखें, जिसकी सूंड दाहिनी ओर हो।

किसी को लेदर से बना तोहफा, धारदार तोहफा और पटाखे न दें।

दीपावली के दिन न कर्ज दें और न लें।

पूजा स्थल को रात भर खाली न छोड़ें। उसमें इतना घी या तेल डालें की वह पूरी रात जलता रहे।

दिवाली उपाय (Diwali 2023 Upay)

दिवाली की रात पूजा के दौरान मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और कुबेर जी को प्रसन्न करने के लिए उनके प्रिय भोग अर्पित करें।

लक्ष्मी जी को खीर या फिर दूध से बनी सफेद मिठाई का भोग लगाएं।

गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें और उनको मोदक या फिर लड्डू का भोग लगाएं।

वहीं कुबेर देवता को साबुत धनिया चढ़ाएं।

मान्यता है कि दिवाली पर ऐसा करने से लक्ष्मी-गणेश और कुबेर प्रसन्न होंगे और आपको सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देंगे।

मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव नरेश कुमार के खिलाफ शुरू की जांच, केजरीवाल ने मांगी थी रिपोर्ट

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली सरकार के सतर्कता मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव नरेश कुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। इससे पहले सीएम केजरीवाल ने उनसे इस संबंध में जांच रिपोर्ट मांगी थी। आरोप था कि मुख्य सचिव नरेश कुमार के बेटे को एक जमीन मालिक के रिश्तेदार ने नौकरी पर रखा था जिसे एक सड़क परियोजना के लिए बढ़ा हुआ मुआवजा मिला था।

नई दिल्ली। दिल्ली की सतर्कता मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव नरेश कुमार के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। आतिशी ने सतर्कता निदेशक और डिविजनल कमिश्नर को मुख्य सचिव के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार के संबंध में भी लिखा है।

दरअसल, दिल्ली सरकार को मिली शिकायत में आरोप लगाया गया था कि मुख्य सचिव नरेश कुमार के बेटे को एक जमीन मालिक के रिश्तेदार ने नौकरी पर रखा था, जिसे एक सड़क परियोजना के लिए अधिग्रहित जमीन का बढ़ा हुआ मुआवजा मिला था।

द्वारका एक्सप्रेसवे के लिए बामनौली गांव में भूमि अधिग्रहण से संबंधित सभी फाइलें शनिवार शाम 7 बजे तक सतर्कता मंत्री को सौंपी जाएंगी। सतर्कता मंत्री ने दोनों विभागों को निर्देश दिया है कि कथित भ्रष्टाचार के इस मुद्दे से संबंधित कोई भी फाइल मुख्य सचिव के माध्यम से न पारित की जाए, क्योंकि वह जांच का विषय है। इससे पहले, शुक्रवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सतर्कता मंत्री से इस संबंध में जांच करने की मांग की थी और पूरी रिपोर्ट भी मांगी थी।

क्या है मामला?

मामला साल 2018 में द्वारका एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के बामनौली गांव में 19 एकड़ भूमि का अधिग्रहण से जुडा हुआ है। जिला अधिकारियों द्वारा भूमि अधिग्रहण में 41.52 करोड़ रुपये का प्रारंभिक मुआवजा तय किया गया था।

भूस्वामियों ने मुआवजे को चुनौती दी और इस साल मई में दक्षिण पश्चिम दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट हेमंत कुमार ने इसे बढ़ाकर 353.79 करोड़ रुपये कर दिया। बाद में इस मामले में गृह मंत्रालय ने कुमार को निलंबित कर दिया था। इसके अलावा, दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में 353.79 करोड़ रुपये के मुआवजे को रद्द कर दिया।

फर्म को 315 करोड़ रुपये से ज्यादा का फायदा

शिकायतकर्ता का आरोप था कि दिल्ली के मुख्य सचिव का बेटा एक रियल्टी फर्म में काम करता था, जिसके निदेशक बामनौली गांव में अधिग्रहित भूमि के मालिकों में से एक सुभाष चंद कथूरिया के दामाद थे। 15 मई को यह मुआवजा राशि बढ़ाकर 353.79 करोड़ रुपये कर दिया गया। यह भी आरोप था कि मामले में सीएस ने फर्म को 315 करोड़ रुपये से ज्यादा का फायदा पहुंचाया है।

एलजी ने भी दी थी विभागीय जांच की मंजूरी

विवाद बढ़ने पर डिविजनल कमिश्नर अश्विनी कुमार ने दो जून को इस मामले को मुख्य सचिव के पास भेज दिया। मुख्य सचिव ने भी इस मामले में सतर्कता जांच के आदेश दिए थे। वहीं दिल्ली के उपराज्यपाल ने भी जिला मजिस्ट्रेट के खिलाफ सीबीआई और विभागीय जांच की मंजूरी दी थी। इन्हीं सब मामलों की रिपोर्ट मुख्यमंत्री ने सतर्कता मंत्री से मांगी है।

दिल्ली में फिर लगे भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर इतनी रही तीव्रता; लोग निकले घरों से बाहर

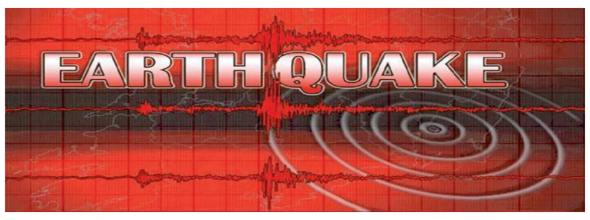

दिल्ली-एनसीआर में आज एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह झटके शनिवार दोपहर 3 बजकर 36 मिनट पर लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.6 मापी गई है। कई इलाकों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए जिसके बाद लोग दहशत में आकर घरों से बाहर आ गए। लोग काफी देर तक एक-दूसरे को फोन कर हाल पूछते रहे।

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में आज एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह झटके शनिवार दोपहर 3 बजकर 36 मिनट पर लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.6 मापी गई है।

कई इलाकों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए जिसके बाद लोग दहशत में आकर घरों से बाहर आ गए। लोग काफी देर तक एक-दूसरे को फोन कर हाल पूछते रहे।

6 नवंबर को भी आया था भूकंप

गौरतलब है कि इस महीने में तीसरी बार दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इससे पहले 6 नवंबर की शाम को दिल्ली में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

6 नवंबर से पहले तीन नवंबर की रात को नेपाल में तेज भूकंप आया था, जिसने पूरे उत्तर भारत को हिलाकर रख दिया था। इसमें लगभग 150 लोगों के मारे गए थे। भूकंप का केंद्र नेपाल था, जिसके झटके दिल्ली-एनसीआर तक महसूस किए गए।

तीन नवंबर का भूकंप था तेज

जर्मन रिसर्च सेंटर के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। वहीं नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार तीव्रता 6.4 रही थी। भूकंप का केंद्र नेपाल में था। तेज भूकंप के झटके से लोगों में काफी दहशत थी। भूकंप की तीव्रता इतनी जोरदार थी कि लोग अपने घरों से निकलकर सड़कों पर आ गए थे। भूकंप की कंपन कुछ सेकेंड तक महसूस हुई।

नाबालिग से दुष्कर्म के बाद आरोपी ने की शादी, दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- आरोप गंभीर, बंद नहीं होगा केस

दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगर आरोपी और पीड़िता की शादी हो गई तो भी केस बंद नहीं होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि आरोपी पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को सूचित किया कि उसने याचिकाकर्ता के साथ अपने विवाद सुलझा लिए हैं और अपनी मर्जी से उससे शादी की है। इसे भी कोर्ट ने मानने से इनकार कर दिया।

नई दिल्ली। नाबालिग से दुष्कर्म से संबंधित आपराधिक कार्रवाई को बंद करने से इनकार करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी पर गंभीर प्रवृत्ति के आरोप हैं और शीर्ष अदालत ने भी कई मामले में स्पष्ट किया है कि पक्षकारों के बीच समझौते के आधार पर एफआईआर रद्द नहीं किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि ऐसे में पीड़िता और आरोपी के बीच बाद में शादी होने पर प्राथमिकी को रद्द नहीं किया जाएगा।

अदालत ने नोट किया कि पीड़िता ने प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि याचिकाकर्ता ने उसके साथ कई बार यौन संबंध बनाए, जब वह सिर्फ 16 साल की थी। इसके कारण वह गर्भवती भी हो गई थी। अदालत ने कहा कि ऐसे में सिर्फ इस आधार पर कि उसने पीड़िता से शादी कर ली, दुष्कर्म और पोक्सो समेत अन्य संगीन धाराओं के तहत हुई प्राथमिकी को रद्द करने की आवश्यकता नहीं है।

पीड़िता ने विवाद सुलझने की बात कही

सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को सूचित किया कि उसने याचिकाकर्ता के साथ अपने विवाद सुलझा लिए हैं और अपनी मर्जी से उससे शादी की है। हालांकि, अपराध की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी को रद्द करने की मांग का विरोध किया। अदालत ने मामले की गंभीरता और तथ्यों को देखते हुए प्राथमिकी रद्द करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी।

जमानत नहीं मिलने से ज्यादा तनाव में रहने लगी हैं मनीष सिसोदिया की पत्नी, सौरभ भारद्वाज ने सीमा की बीमारी पर कही ये बात

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मनीष सिसोदिया की पत्नी गंभीर रूप से बीमार हैं। उनकी बीमारी ऐसी है जिसका कोई इलाज नहीं है। इसमें ब्रेन धीरे-धीरे शरीर पर से अपना कंट्रोल कम करता रहता है। इसके बावजूद उन्हें सिर्फ छह घंटे का समय दिया गया है। बता दें मनीष सिसोदिया अपनी बीमार पत्नी से मिलने घर पहुंचे हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया शनिवार को अपनी बीमार पत्नी से मिलने के लिए जेल से घर पहुंचे। इस पर मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मनीष सिसोदिया की पत्नी गंभीर रूप से बीमार हैं। उनकी बीमारी ऐसी है, जिसका कोई इलाज नहीं है। इसमें ब्रेन धीरे-धीरे शरीर पर से अपना कंट्रोल कम करता रहता है। वहीं कोर्ट में सिसोदिया की जमानत खारिज कर दी गई। इससे उनकी पत्नी अधिक तनाव में रहने लगी हैं। इसके बावजूद उन्हें सिर्फ छह घंटे के लिए ही पत्नी से मिलने का समय दिया गया।

बता दें, मनीष सिसोदिया तीसरी बार पत्नी से मिलने के लिए अपने घर पहुंचे हैं। इससे पहले इसी साल जून में सिसोदिया दो बार अपने घर जा चुके हैं। हालांकि एक बार उनकी पत्नी से मुलाकात नहीं हो पाई थी। दिल्ली की अदालत ने शुक्रवार को सिसोदिया को छह घंटे के लिए उन्हें पत्नी से मिलने की इजाजत दी थी।

जमानत याचिका हो चुकी है रद्द

बता दें, सिसोदिया ने बीमार पत्नी को लेकर अपनी जमानत याचिका कई बार दाखिल कर चुके हैं। लेकिन हर बार उनकी याचिका खारिज कर दी गई। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका रद्द की थी। वहीं हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट ने भी उनकी जमानत याचिका रद्द की है। शराब घोटाला मामले में ईडी ने 9 मार्च को सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। इससे पहले उन्हें 26 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

बीमार पत्नी से मिलकर वापस तिहाड़ लौटे मनीष सिसोदिया, पत्रकारों से भी नहीं की बात

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दिवाली से पहले अदालत से बड़ी राहत मिली। आज यानी छोटी दिवाली के दिन मनीष सिसोदिया अपनी बीमार पत्नी से मिलने घर पहुंचे। हालांकि यह वही जगह है जहां अब आतिशी रहती हैं और पहले यही सिसोदिया का सरकारी आवास था। पत्नी से मुलाकात के बात सिसोदिया फिर तिहाड़ जेल लौट चुके हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दिवाली से पहले अदालत से बड़ी राहत मिली। आज यानी छोटी दिवाली के दिन मनीष सिसोदिया अपनी बीमार पत्नी से मिलने घर पहुंचे। सिसोदिया करीब छह घंटे घर पर बिताकर फिर से तिहाड़ जेल लौट गए। सिसोदिया जिस घर में पहुंचे, वहां अब आतिशी रहती हैं और पहले यही सिसोदिया का सरकारी आवास था। सिसोदिया को अदालत ने कई शर्तों के साथ पत्नी से मिलने की इजाजत दी थी। छह घंटे घर में रहने के दौरान सिसोदिया ने पत्नी की हाल-चाल जाना। आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की दिवाली इस बार जेल में मनेगी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मामले में गिरफ्तार आप नेता संजय सिंह की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 24 नवंबर तक बढ़ा दी। वहीं, सिसोदिया को उनकी बीमार पत्नी से छह घंटे के लिए मिलने की अनुमति दे दी।

एयरपोर्ट से विस्तारा एयरलाइन के कर्मी ने चुराई छह लाख की घड़ी, अंडरवियर में छिपाई; फिर ऐसे पकड़ा गया चोर

दिल्ली की आईजीआई एयरपोर्ट जिला पुलिस ने एक चोर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (IGI Airport Delhi) एयरपोर्ट के टर्मिनल तीन से विस्तारा एयरलाइन की उड़ान में सवार होकर बांग्लादेश के ढाका जा रहे यात्री के सामान से करीब छह लाख रुपये की कारटियर कंपनी की घड़ी चोरी की थी। आरोपित ने घड़ी चोरी करके उसे अंडरवियर में छिपा लिया था।

नई दिल्ली। दिल्ली की आईजीआई एयरपोर्ट जिला पुलिस ने एक चोर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (IGI Airport Delhi) एयरपोर्ट के टर्मिनल तीन से विस्तारा एयरलाइन की उड़ान में सवार होकर बांग्लादेश के ढाका जा रहे यात्री के सामान से करीब छह लाख रुपये की कारटियर कंपनी की घड़ी चोरी की थी।

आरोपित ने घड़ी चोरी करके उसे अंडरवियर में छिपा लिया था और एयरपोर्ट से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था। तभी आईजीआई एयरपोर्ट जिला पुलिस ने औचक निरीक्षण किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान राजेश कुमार के रूप में हुई है। वह विस्तारा एयरलाइन में रैंप सिनियर असिस्टेंट के रूप में कार्यरत है।

विस्तारा एयरलाइन के स्टाफ की हुई चेकिंग

आईजीआई एयरपोर्ट जिला पुलिस उपायुक्त देवेश महला ने बताया कि त्योहारों को देखते हुए एयरपोर्ट पर सुरक्षा कड़ी की गई है। इसके तहत किसी भी समय एयरपोर्ट पर औचक निरीक्षण किया जाता है। छह नवंबर की रात को एयरपोर्ट पर विस्तारा एयरलाइन स्टाफ की औचक जांच की गई।

बैग की चेन तोड़कर निकाली घड़ी

इस दौरान राजेश कुमार की जब तलाशी ली गई तो उससे घड़ी बरामद हुई। घड़ी उसने अंडरवियर में छिपाई हुई थी। पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि उसने बैग की चेन को तोड़कर उससे घड़ी निकाली व फिर बैग बंद कर दिया।

चोर को बैग के बारे में नहीं जानकारी

हालांकि उसे पता नहीं था कि उसने घड़ी कौन से या किसके बैग से निकाली थी। उस समय तक घड़ी चोरी की कोई शिकायत भी प्राप्त नहीं हुई थी। घड़ी को जब्त करके रख लिया गया था।

तीन दिन के बाद गुरुग्राम सेक्टर-72 के युवक ने आनलाइन माध्यम से घड़ी के चोरी होने की शिकायत दी। उसकी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

तीन नवंबर को सुबह वह फर (कुल्हाड़ी) से मंदिर गए। पुजारी दूसरी चाबी को लेकर उनसे झगड़ा करने लगा।

दिल्ली के छावला में पुजारी ने मंदिर प्रधान पर किया जानलेवा हमला, गर्दन पर कुल्हाड़ी से किए कई वार

दिल्ली के छावला थाना इलाके के हनुमान मंदिर के पुजारी ने मंदिर कमेटी प्रधान पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। घायल की पहचान पंडवाला कलां के 70 वर्षीय सतीश शर्मा के रूप में हुई। छावला थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कुल्हाड़ी कब्जे में ले ली है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

पश्चिमी दिल्ली। छावला थाना इलाके के हनुमान मंदिर के पुजारी ने मंदिर कमेटी प्रधान पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। घायल की पहचान पंडवाला कलां के 70 वर्षीय सतीश शर्मा के रूप में हुई। छावला थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कुल्हाड़ी कब्जे में ले ली है।

पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। छावला थाना इलाके के पंडवाला कलां के बुजुर्ग सतीश शर्मा ने बताया कि वह गांव के हनुमान मंदिर कमेटी के प्रधान हैं और मंदिर का कामकाज भी देखते हैं। मंदिर में चार-पांच दिन से भागवत कथा चल रही थी।

दान पेटी की खो गई चाबी

मंदिर का पुजारी उत्तर प्रदेश के कुशी नगर के चेतन दास मंदिर के चढ़ावे व मंदिर के दान पेटी में आए पैसों को अपने पास रखना चाहता था। सतीश कहते थे कि इन पैसों को मंदिर के रखरखाव में लगाया जाना चाहिए। कुछ दिन पहले मंदिर में दान पेटी की चाबी पुजारी से कहीं खो गई थी।

लूहलुहान होकर गिरे

पुजारी सतीश से बार-बार दूसरी चाबी मांगता था। तीन नवंबर को सुबह वह फर (कुल्हाड़ी) से मंदिर गए। पुजारी दूसरी चाबी को लेकर उनसे झगड़ा करने लगा। इसी दौरान पुजारी कुल्हाड़ी लेकर आया व पीछे से उनकी गर्दन पर कई वार कर दिए। सतीश लहूलुहान होकर वहीं पर गिर गए। उनका भतीजा लव कुमार व अन्य लोग उन्हें अस्पताल में लेकर गए। उनके बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण कार्य की जल्द समीक्षा करेंगे पीएम मोदी, दिसंबर तक पूरा होगा रनवे का काम

29 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गति शक्ति परियोजना के तहत नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की समीक्षा करेंगे। इससे पूर्व नागर विमानन मंत्रालय के सचिव ने वर्चुअल बैठक कर नोएडा एयरपोर्ट की निर्माण प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य पूरा करने की तिथि निर्धारित कर दी। रनवे का कार्य दिसंबर अंत तक व टर्मिनल बिल्डिंग का कार्य मई 2024 तक पूरा करने की समय सीमा निर्धारित की है।

ग्रेटर नोएडा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 नवंबर को गति शक्ति परियोजना के तहत नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की समीक्षा करेंगे। इससे पूर्व नागर विमानन मंत्रालय के सचिव ने वर्चुअल बैठक कर नोएडा एयरपोर्ट की निर्माण प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य पूरा करने की तिथि निर्धारित कर दी। रनवे का कार्य दिसंबर अंत तक व टर्मिनल बिल्डिंग का कार्य मई 2024 तक पूरा करने की समय सीमा निर्धारित की है।

निर्धारित समय सीमा में नहीं हुआ कोई बदलाव

परियोजना का कार्य सितंबर 2024 तक समाप्त होने के निर्धारित समय सीमा में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि एयरपोर्ट सर्विलांस रडार के लिए दिसंबर 2024 तक लगेगा, लेकिन बैठक में दावा किया गया कि रडार के बिना भी एयरपोर्ट का संचालन शुरू हो सकेगा।

बैठक में बताया गया कि एयरपोर्ट की वित्तीय प्रगति 65 प्रतिशत व भौतिक प्रगति 49 प्रतिशत है। परियोजना की कुल प्रगति 57 प्रतिशत है।

युद्धस्तर पर जारी है निर्माणकार्य

बैठक में प्रदेश के अपर मुख्य सचिव नागरिक उड्डयन एसपी गोयल, निदेशक कुमार हर्ष, नियाल सीईओ डा. अरुणवीर सिंह, ओएसडी शैलेंद्र भाटिया, एसीईओ, विकासकर्ता कंपनी के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन आदि शामिल रहे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. नियाल सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि बैठक में परियोजना की प्रगति का प्रस्तुतिकरण दिया गया और वर्तमान स्थिति से अवगत कराया गया। एयरपोर्ट पर जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दयानतपुर व फलैदा बांगर में चार-चार एमएलडी के दो रैनी वेल का निर्माण कार्य छह माह में पूरा हो जाएगा। इसके लिए दो हजार वर्गमीटर जमीन खरीदी जा चुकी है। एयरपोर्ट पर जलापूर्ति के लिए दयानतपुर व फलैदा बांगर में दो रैनी वेल का होगा निर्माण कार्य भी होगा।

फ्लैट दिलाने के नाम पर 19.99 लाख की धोखाधड़ी, रुपये मांगने पर केस में फंसाने की धमकी

गाजियाबाद के साहिबाबाद में दो लोगों को फ्लैट और प्लाट दिलाने के नाम पर 19 लाख 99 हजार रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। तीन कमरों का फ्लैट दिलाने के नाम पर देहरादून के मुकुल गुप्ता और एक अन्य ने 11 लाख 36 दिए थे लेकिन फ्लैट नहीं मिला। नौ लाख 56 हजार रुपये अभी भी बकाया है।

साहिबाबाद। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के दो लोगों को फ्लैट और प्लाट दिलाने के नाम पर 19 लाख 99 हजार रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

न लौटाए रुपये, न मिले फ्लैट

दिल्ली मयूर विहार के हरदयाल मौर्य ने बताया कि कनावनी के विजयपाल ने उन्हें चार सौ वर्ग गज का प्लाट दिलाने के नाम पर 10 लाख 43 लाख रुपये ले लिए। उन्होंने रजिस्ट्री करने के लिए कहा तो वह लगातार टरकाते रहे। न तो प्लाट की रजिस्ट्री की और न रुपये लौटाए। उन्होंने इंदिरापुरम कोतवाली पहुंचकर विजयपाल के खिलाफ शिकायत की, उनकी शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। रेगालिया हाइट्स के अरुण खेमका को तीन कमरों का फ्लैट दिलाने के नाम पर देहरादून के मुकुल गुप्ता और एक अन्य ने 11 लाख 36 दिए थे। उन्हें फ्लैट नहीं मिला। काफी कहने के बाद उन्हें दो बार में दो लाख रुपये लौटा दिए।

रुपये मांगने पर केस में फंसाने की धमकी

उसके बाद नौ लाख 56 हजार रुपये अभी भी बकाया है। रुपये मांगने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जाती है। परेशान होकर उन्होंने इंदिरापुरम कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कुत्तों ने 8 वर्षीय मासूम पर किया हमला, गंभीर रूप से घायल बच्चे को लगवाई वैक्सीन

गाजियाबाद के सदरपुर गांव के रहने वाले सोनू के आठ वर्षीय पुत्र आरव पर शनिवार सुबह खेलते वक्त तीन कुत्तों ने हमला कर दिया जिससे मासूम का दाहिना हाथ को बुरी तरह जख्मी हो गया है। साथ ही बच्चे के जांघ पर भी कुत्ते के काटने के निशान हैं। परिजनों ने संजय नगर स्थित संयुक्त अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन लगा दी।

गाजियाबाद। सदरपुर गांव के रहने वाले सोनू के आठ वर्षीय पुत्र आरव पर शनिवार सुबह खेलते वक्त तीन कुत्तों ने हमला कर दिया, जिससे मासूम का दाहिना हाथ को बुरी तरह जख्मी हो गया है। साथ ही बच्चे के जांघ पर भी कुत्ते के काटने के निशान हैं।

कुत्तों द्वारा हमला किया जाने के बाद बच्चे को परिजनों ने संजय नगर स्थित संयुक्त अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन लगाने के साथ ही मरहम पट्टी की गई है। वहीं, आपको बता दें कि जिले में पिछले डेढ़ घंटे में 55 लोगों ने एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर वाहनों में टक्कर, मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने खुलवाया जाम

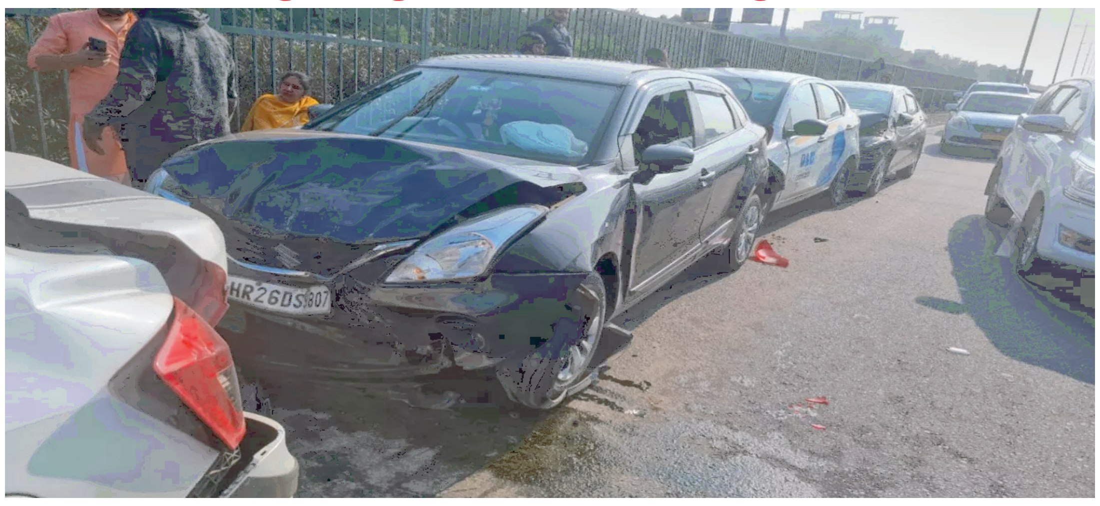

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर शनिवार सुबह त्योहार के मौके पर अपने घर जाने वालों का तांता लगा रहा लेकिन दोपहर होते-होते लंबा जाम लग गया। साथ ही रोड पर 40 मिनट तक ट्रैफिक का दबाव रहा। इस दौरान कई वाहन आपस में टकरा गए। सेक्टर 15 निवासी मुकेश सोलकी ने बताया कि गुरुग्राम इलाके में एक्सप्रेस-वे पर सिरहौल बार्डर से लेकर हीरो खेड़कीदौला टोल प्लाजा तक ट्रैफिक का अधिक रहता हैं।

गुरुग्राम। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर शनिवार सुबह त्योहार के मौके पर अपने घर जाने वालों का तांता लगा रहा, लेकिन दोपहर होते-होते लंबा जाम लग गया। साथ ही रोड पर 40 मिनट तक ट्रैफिक का दबाव रहा। इस दौरान कई वाहन आपस में टकरा गए।

वाहनों के टकराने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची टीम ने हाईवे पर लगे जाम को खुलवाया। कहीं-कहीं हाईवे पर ट्रैफिक का दबाव क्षमता से अधिक था।

इधर, एक्सप्रेस-वे से प्रतिदिन आने-जाने वाले सेक्टर 15 निवासी मुकेश सोलकी ने बताया कि गुरुग्राम इलाके में एक्सप्रेस-वे पर सिरहौल बार्डर से लेकर हीरो खेड़कीदौला टोल प्लाजा तक ट्रैफिक का अधिक रहता हैं। इसे देखते हुए दोनों तरफ कम से कम दो-दो क्रेन की सुविधा होनी चाहिए। इससे कहीं भी हादसा होते ही दो से तीन मिनट के भीतर क्रेन पहुंच जाएगी।

दिवाली पर चमका बाजार, ग्राहकों की उमड़ी भीड़; जमकर हुई इलेक्ट्रिक उत्पादों की खरीदारी

दिवाली पर गाजियाबाद के बाजारों में शनिवार को खूब रौनक रही। लोग अपनी जरूरत के सामानों की खरीदारी के लिए जमकर जुटे। हर दुकानों में खूब भीड़ देखी गई। इलेक्ट्रिक सामान के अलावा घूमने वाली दीया थाली कलश और हैंगिंग गणेश-लक्ष्मी की खूब बिक्री हुई। अलग-अलग रंग वाली स्ट्रिप और एलईडी लाइटों की भी अच्छी बिक्री हो रही है।

गाजियाबाद। एक समय बाजार में चीन का दबदबा था, लेकिन अब मेड इन इंडिया उत्पादों से दीवाली से इलेक्ट्रिक बाजार जगमग है। बाजार में सेंसर वाले इलेक्ट्रिक उत्पादों के अलावा फैंसी आइटम छाए हुए हैं। घूमने वाले मोर और रोशनी करने वाले फैंसी उत्पाद की जबरदस्त बिक्री है। घूमने वाली दीया थाली, कलश और हैंगिंग गणेश-लक्ष्मी बाजार में हैं। अलग- अलग रंग वाली स्ट्रिप और एलईडी लाइटों की अच्छी बिक्री हो रही है। शहर के चौपला बाजार, डासना गेट, नवयुग मार्केट, दिल्ली गेट, घंटाघर, राजनगर सेक्टर 10, संजय नगर सेक्टर 23, कविनगर, पटेल नगर, विजय नगर बाजार में झालर और इको फ्रेंडली इलेक्ट्रिक पटाखों से बाजार में चमक देखते ही बन रही है।

बढ़ते प्रदूषण की वजह से पटाखा इलेक्ट्रिक पटाखे व्यापारियों के मुताबिक इस बार मुंबई, सूरत, दिल्ली में बने उत्पाद ही बाजार में हैं। बाजार में परंपरागत झालरों के अलावा फैंसी आइटमों की मांग ज्यादा है। पिछली बार सेंसर लगे दीये बाजार में लाए गए थे। दीये में पानी डालने पर जलने लगते थे। अब इस बार अलग-अलग लाइटों में दीये हैं।

मेड इन इंडिया उत्पादों की धूम

मेड इन इंडिया उत्पाद ही बाजार में हैं। चीन के बने उत्पादों का बाजार में पुराना स्टॉक नहीं है। सेंसर वाले उत्पादों के अलावा फैंसी उत्पादों की अच्छी मांग है। नए-नए उत्पाद बाजार में आए हैं। इस बार कारोबार अच्छा रहा है। पिछले साल की तुलना में भाव कुछ अधिक हैं, लेकिन बिक्री पर कोई असर नहीं पड़ा है।

कुछ प्रमुख इलेक्ट्रिक उत्पादों के दाम

बाजार में एक पीस दीया 35 रुपये का बिक रहा है। फैंसी उत्पादों की कीमत 500 से 750 रुपये प्रति पीस है, जो गत वर्ष के मुकाबले 50 से 100 रुपये बढ़ गई है। मल्टी कलर क्रिस्टल बॉल झालर, मल्टी कलर यूएसबी वॉटरप्रूफ, ब्रास मेटल और मल्टी कलर ग्लास बल्ब झालर की कीमत 220 से 450 रुपये तक है।

भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने के संकल्प को सिद्ध करने के पथ पर तेजी से प्रयासरत है

भारत के प्रत्येक कुटुंब में भारतीय जीवन मूल्यों एवं सांस्कृतिक मूल्यों को हमें अपनी आगे आने वाली पीढ़ी को सौंपने का गम्भीर प्रयास करना चाहिए। प्रत्येक भारतीय परिवार को अपने जीवन में दो कार्य आवश्यक रूप से करने चाहिए।

प्रह्लाद सबनानी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों के बीच चल रही रस्साकशी, रूस-यूक्रेन के बीच पिछले लम्बे समय से लगातार चल रहे युद्ध एवं पिछले एक माह से भी अधिक समय से पूर्व प्रारम्भ हुए हमास इजराइल युद्ध के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी मंडल की बैठक दिनांक 5 नवम्बर 2023, रविवार, को प्रातः 9 बजे भुज, गुजरात में प्रारम्भ हुई। बैठक का शुभारम्भ परम पूज्य सर संघचालक डॉक्टर मोहन जी भागवत और सर कार्यवाह श्री दत्तात्रेय जी होसबाले ने भारत माता के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित करके किया। बैठक में देश भर से संघ की दृष्टि से 45 प्रांतों एवं 11 क्षेत्रों के माननीय संघचालक, कार्यवाह, प्रचारक, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य तथा कुछ विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्रियों सहित लगभग 382 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

उक्त बैठक में संघ शताब्दी की दृष्टि से कार्य विस्तार के लिए बनी योजना की समीक्षा एवं संघ प्रशिक्षण अभ्यास क्रम विषयों पर विस्तार से चर्चा सम्पन्न हुई। साथ ही, परम पूज्य सर संघचालक डॉक्टर मोहन जी भागवत के विजया दशमी उदबोधन में चर्चा में आए कुछ मुख्य विषयों जैसे प्रकृति विरुद्ध जीवन शैली, जलवायु परिवर्तन का विश्व पर प्रभाव, सुरक्षा, स्व आधारित युगानुकुल नीति आदि विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, गौ सेवा, ग्राम विकास व अन्य गतिविधियों में चल रहे प्रयासों के बारे में भी प्रतिनिधियों से जानकारी ली गई। यह बैठक 7 नवम्बर 2023 को सायंकाल 6 बजे सम्पन्न हुई।

विश्व के कई देशों, विकसित देशों सहित, में सामाजिक तानाबाना ध्वस्त हो चुका है। अमेरिका सहित विश्व के कई देशों में आज "सिंगल पेरेंट" की अवधारणा जोर पकड़ती जा रही है। लगभग 50 प्रतिशत बच्चों को अपने पिता के बारे में जानकारी ही नहीं हैं। कुटुंब अथवा परिवार में रहकर माता एवं पिता द्वारा मिलकर ही बच्चे का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास सही तरीके से किया जा सकता है। इन देशों में केवल माता अथवा पिता द्वारा बच्चे का लालन पालन करने से बच्चे का मानसिक एवं बौद्धिक विकास सही तरीके से नहीं हो पा रहा है एवं यह बच्चे उच्च स्तर की पढ़ाई के मामले में पिछड़ रहे हैं। आज अमेरिका में बहुत कम बच्चे विज्ञान एवं गणित की उच्च स्तर पर पढ़ाई कर पा रहे हैं, जिसके चलते यह बच्चे सेवा क्षेत्र में कुछ छोटे मोटे काम करते नजर आते हैं। दूसरे, भारत सहित कई देशों में विभिन्न जातियों, मत एवं पंथ के आधार पर नागरिकों को आपस में लड़ाया जा रहा है एवं समाज में आज नागरिकों के बीच आपसी भाईचारा एवं विश्वास का नितांत अभाव दिखाई दे रहा है, जिससे आज सामाजिक समरसता का अभाव स्पष्टतः दिखाई देने लगा है। साथ ही, लगभग पूरे विश्व में ही पर्यावरण को लेकर भी गम्भीर स्थिति बन गई है। विशेष रूप से विकसित देशों में नागरिकों की जीवन शैली ही इस प्रकार की बन गई है कि प्रकृति का दोहन करने के स्थान पर प्रकृति का शोषण किया जा रहा है। जंगल खत्म हो रहे हैं, प्रकृतिक संसाधनों का अत्यधिक उपयोग हो रहा है, जिसके कारण पर्यावरण पर दबाव बन रहा है। कुछ स्थानों पर तो एक ही दिन में पूरे वर्ष भर की बारिश हो रही है तो कहीं कहीं बारिश ही नहीं हो रही है। इस प्रकार का असंतुलन वैश्विक स्तर नागरिकों के लिए गम्भीर समस्याएं उत्पन्न कर रहा है।

जहां तक भारत का सम्बंध है, भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे सांस्कृतिक संगठन उक्त विषयों पर गम्भीरता से विचार विमर्श करते हुए इन समस्याओं के हल हेतु प्रयास भी करते दिखाई दे रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपना शताब्दी वर्ष 2025 में मनाने की तैयरियों में जुटा है। अपने शताब्दी वर्ष के निमित्त संघ ने समाज के लिए आज की परिस्थितियों के संदर्भ में अति महत्वपूर्ण पांच आयामों को आग्रह पूर्वक समाज के सामने रखा है। इन आयामों को संघ के स्वयंसेवक अपने स्तर एवं शाखा के स्तर पर क्रियान्वित करेंगे, इसके बाद समाज से भी अपेक्षा की गई है कि इन आयामों को अपने स्तर पर क्रियान्वित करने में सहयोग करें। प्रथम आयाम है, समाज में सामाजिक समरसता स्थापित करना। समाज में छूआछूत, जातिभेद बिलकुल नहीं होना चाहिए। भारत में रहने वाला प्रत्येक नागरिक एक भारतीय है, फिर विभिन्न जातियों में बंटवारा क्यों? अंग्रेजों ने भारत पर अपना शासन स्थापित करने के लिए भारतीय नागरिकों को विभिन्न जातियों में बांटों और राज करने की नीति अपनाई थी। आज के परिप्रेक्ष्य में जब

भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है, तब समस्त भारतीय नागरिक आपस में विश्वास बनाए रखते हुए देश की प्रगति में अपने योगदान को बढ़ाएं ऐसी अपेक्षा भारत के प्रत्येक नागरिक से हैं। अतः जन्म आधारित किसी भी प्रकार के भेदभाव को हम समस्त भारतीयों को नहीं मानना चाहिए। इस दृष्टि से सामाजिक समरसता का आज बहुत महत्व है एवं अपने जीवन में इसे व्यवहार में लाने का गम्भीर प्रयास हमें करना चाहिए।

द्वितीय आयाम है, परिवार प्रबोधन। भारत के प्रत्येक कुटुंब में भारतीय जीवन मूल्यों एवं सांस्कृतिक मूल्यों को हमें अपनी आगे आने वाली पीढ़ी को सौंपने का गम्भीर प्रयास करना चाहिए। प्रत्येक भारतीय परिवार को अपने जीवन में दो कार्य आवश्यक रूप से करने चाहिए। एक तो समाज के प्रति हम कुछ सेवा के कार्य निरंतर करते रहें, और दूसरे सनातन संस्कृति और अपने धर्म की रक्षा के लिए भी हम जागरूक रहें। विशेष रूप से सौराष्ट्र और गुजरात में यह कार्य व्यापक रूप से नागरिकों द्वारा किए जा रहे हैं। परंतु, इन्हें पूरे देश में फैलाया जाना चाहिए। साथ ही यह कार्य सभी वर्गों में समस्त स्तरों पर होना चाहिए।

तीसरा आयाम है, पर्यावरण की रक्षा करना। आज की विपरीत परिस्थितियों के बीच समाज के नागरिकों को बड़ी संख्या में पेड़ लगाने का कार्य हाथ में लेने की जरूरत है। साथ ही, पोलिथिन के उपयोग को बंद करने एवं पानी बचाने के लिए भी गम्भीर प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। यह कार्य समाज ही कर सकता है। हाल ही में राजस्थान के जोधपुर प्रांत में (भौगोलिक दृष्टि से राजस्थान का लगभग एक तिहाई भाग) संघ के कार्यकर्ताओं ने 45 दिन पर्यावरण के प्रति समर्पित यात्रा सम्पन्न की है। इस यात्रा के दौरान 15 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए हैं। यह यात्रा 14000 किलोमीटर की रही है। इसी प्रकार, कर्नाटक में भी एक करोड़ पेड़ लगाने की योजना बनाई गई है। इसी प्रकार के कार्य समाज में नागरिकों को साथ लेकर पर्यावरण की रक्षा के लिए स्वयंसेवकों द्वारा अन्य स्थानों पर भी किए जाने चाहिए।

चौथा आयाम है, स्वदेशी जीवन शैली। भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए नागरिकों द्वारा स्व-आधारित जीवन शैली अपनाया जाना अब आवश्यक हो गया है। अपनी मातृभाषा पर गर्व करने के साथ साथ भारत में निर्मित उत्पादों के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा दिया ही जाना चाहिए। स्वदेशी जीवन शैली में केवल स्थानीय वस्तुओं का उपयोग ही शामिल नहीं है बल्कि भारत की सनातन संस्कृति का पालन भी इस जीवन शैली में शामिल है। अतः आज प्रत्येक भारतीय नागरिक में स्व का भाव विकसित किया जाना चाहिए ताकि राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव विकसित हो सके।

पांचवां आयाम है, नागरिक कर्तव्य। भारत आज पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं विश्व में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन चुका है। इन परिस्थितियों के बीच भारतीय नागरिकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में सतर्कता बरतना आवश्यक हो गया है। नागरिकों को प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन का पालन करना चाहिए। भारतीय नागरिक होने के नाते हमारे संविधान के अनुसार भी कुछ कर्तव्य निर्धारित हैं। इन कर्तव्यों का निर्वहन गम्भीरता के साथ किया जाना चाहिए। इसके लिए स्वयंसेवकों को अपने स्तर पर, अपने कुटुंब के स्तर पर, अपनी शाखा के स्तर पर एवं व्यापक समाज के स्तर पर अपने अपने कर्तव्यों के अनुपालन के लिए जागृति लाना आवश्यक है।

इसी प्रकार समाज में कई संस्थाएं हैं, मठ मंदिर हैं, व्यापारिक संस्थान हैं, विद्यालय हैं, अस्पताल हैं, इन समस्त संस्थाओं में भी जागृति लानी होगी ताकि समाज का प्रत्येक अंग अपने कर्तव्यों के पालन के प्रति सजग हो सके। साथ ही, विभिन्न विद्यालयों को किस प्रकार पर्यावरण गतिविधि से सम्बंधित कार्यों के लिए अपने साथ लिया जा सकता है, मठ मंदिर को किस प्रकार समाज में सामाजिक समरसता स्थापित करने के उड्डेस्य से अपने साथ लिया जा सकता है, व्यापारिक संस्थान किस प्रकार स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा दे सकते हैं। इन विषयों पर गम्भीरता पूर्वक विचार किया जाकर पूरे समाज को ही उक्त पांचों आयामों पर सफलतापूर्वक कार्य करने के लिए साथ लिया जाना चाहिए।

इन गाड़ियों में जल्द इंस्टॉल किया जा सकता है कॉलिजन वार्निंग सिग्नल, पैदल और साइकिल चालकों को होगा फायदा

अगर ये सिस्टम अनिवार्य कर दिया जाता है तो सड़क पर होने वाले संभावित दुर्घटना को ये कम किया जा सकता है। जैसी ही गाड़ी के आस-पास पैदल चलने वाले लोग या फिर अन्य व्हीकल आएगी और उससे गाड़ी टकराने वाली होगी तो ये सिस्टम तुरंत अलर्ट भेजेगा। जिससे समय रहते ड्राइवर गाड़ी को संभाल लेगा। इससे जान और माल दोनों की हिफाजत होगी।

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों के साथ टकराव की संभावना को कम करने के लिए चार पहिया वाहनों, पैसेंजर और कॉमर्शियल वाहनों के कुछ श्रेणियों में एक इनबिल्ट 'मूविंग ऑफ इन्फॉर्मेशन सिस्टम' (MOIS) की इंस्टाल करने की संभावनाएं हैं।

मूविंग ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम ?

मूविंग ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम (एमओआईएस) का मतलब है कि एक ऐसा सिस्टम जो ड्राइवर को पास में पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों की उपस्थिति का पता लगाने और सूचित करने की सुविधा देती है और यदि आवश्यक समझी जाती है, तो निर्माता की रणनीति के आधार पर संभावित टक्कर के बारे में ड्राइवर को चेतावनी देती है।

इससे क्या होगा फायदा ?

अगर ये सिस्टम अनिवार्य कर दिया जाता है तो सड़क पर होने वाले संभावित दुर्घटना को ये कम किया जा सकता है। जैसी ही गाड़ी के आस-पास पैदल चलने वाले लोग या फिर अन्य व्हीकल आएगी और उससे गाड़ी टकराने वाली होगी तो ये सिस्टम तुरंत अलर्ट भेजेगा। जिससे समय रहते ड्राइवर गाड़ी को संभाल लेगा। इससे जान और माल दोनों की हिफाजत होगी।

ड्राफ्ट में कहा गया है कि धीमी गति से चलने वाले वाहनों जैसे एम 2, एम 3, एन 2 और एन 3 श्रेणी के वाहनों (विषय वाहन) और पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों के बीच टकराव होता है, जिससे कई बार बड़ी दुर्घटना हो जाता है। इससे बचने के लिए इन गाड़ियों में मूविंग ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम होना जरूरी है।

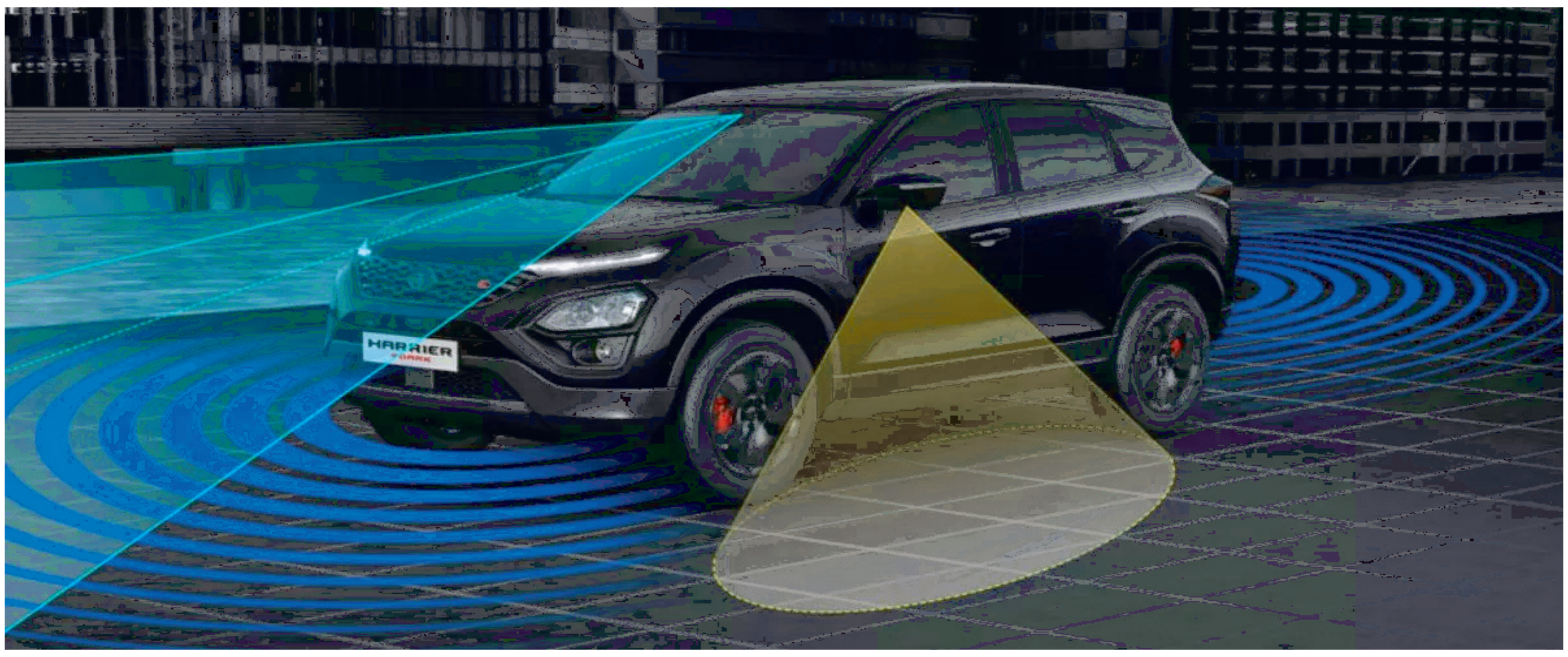

अपडेटेड रिनॉल्ट डस्टर जल्द होने वाली है लॉन्च

फ्रांसीसी ऑटो दिग्गज इसमें तीन इंजन विकल्प पेश करेगा। 1.3-लीटर टर्बो पेट्रोल यूनिट अब तक की सबसे शक्तिशाली डस्टर एसयूवी होगी। यह 167.6 bhp की पावर जेनरेट करने में सक्षम है। अन्य इंजन विकल्पों में रेनो द्वारा 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन पेश करने की उम्मीद है जो 109 बीएचपी की पावर पैदा करने में सक्षम है। इसमें 1.2-लीटर पेट्रोल हाइब्रिड इंजन भी हो सकता है।

नई दिल्ली। अपडेट वर्जन में 29 नवंबर को लॉन्च होने के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अगली पीढ़ी की रेनॉ डस्टर की पेटेंट तस्वीरें ऑनलाइन लीक हो गई हैं। जैसी कि उम्मीद थी कि नई डस्टर का डिजाइन काफी हद तक बिगस्टर कॉन्सेप्ट से प्रेरित हो सकती है। लीक पेटेंट से पता लगता यह अपकमिंग एसयूवी बिगस्टर के समान दिखती है, लेकिन कॉन्सेप्ट की तुलना में इसका फुटप्रिंट छोटा दिखता है।

कैसी होगी नई डस्टर ?

नई डस्टर में दोनों तरफ वाई-आकार के एलईडी के साथ एक हॉरिजेंटल ग्रिल, क्लैडिंग के साथ चौकोर व्हील आर्च और वाई-आकार के टेल लैंप क्लस्टर मिलते हैं। नई डस्टर का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं वाहन निर्माण करने वाली कंपनी भी अपने इस प्रोडक्ट को लेकर तेजी से काम कर रही है। नइ डस्टर को रेनो की यूनिट डेसिया ने नए सीएमएफ-बी मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पर डेवलप किया है।

उम्मीद है कि फ्रांसीसी कार निर्माता भारत में डस्टर एसयूवी को भी फिर से लॉन्च करेगी। हालांकि, भारतीय सड़कों पर आने में इसे कुछ और साल लग सकते हैं। इसको लेकर कंपनी ने अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी भी नहीं दी है।

कितना दमदार है इसका इंजन ?

फ्रांसीसी ऑटो दिग्गज इसमें तीन इंजन विकल्प पेश करेगा। 1.3-लीटर टर्बो पेट्रोल यूनिट अब तक की सबसे शक्तिशाली डस्टर एसयूवी होगी। यह 167.6 bhp की पावर जेनरेट करने में सक्षम है। अन्य इंजन विकल्पों में, रेनो द्वारा 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन पेश करने की उम्मीद है, जो 109 बीएचपी की पावर पैदा करने में सक्षम है। इसमें 1.2-लीटर पेट्रोल हाइब्रिड इंजन भी हो सकता है, जो 118 bhp और 138 bhp के बीच पावर जेनरेट कर सकता है।

कब होगी लॉन्च ?

लॉन्च टाइमलाइन की बात करें तो अगली पीढ़ी की डस्टर को भारत में 2025 तक हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, फॉक्सवैगन ताइगुन और मारुति ग्रैंड विटा को कड़ी टक्कर देगा।

2024 होंडा सीबीआर650R स्पोर्ट्स टूरिंग बाइक हुई ग्लोबली पेश भारत में अगले साल होगी लॉन्च

इस अपडेटेड बाइक में ऑटोमैटिक क्लच सिस्टम दिया गया है जो क्लच को कन्वेंशनल इस्तेमाल करने में हेल्प करता है। हालांकि इस सिस्टम की वजह से बाइक का वजन 2 किलो तक बढ़ गया है। इसके अलावा होंडा सीबीआर650आर होंडा सिलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल (एचएसटीसी) डुअल-चैनल एबीएस फुल-एलईडी लाइटिंग और कनेक्टिविटी के साथ पांच इंच की टीएफटी स्क्रीन के साथ आता है।

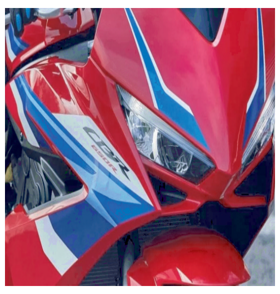

नई दिल्ली। अपडेटेड होंडा CBR650R को इटली में चल रहे EICMA 2023 को पहली बार पेश किया गया है। कयास लगाया जा रहा है कि ये स्पोर्ट्स-टूरिंग मोटरसाइकिल को अगले साल 2024 में भारत में लॉन्च किया जा सकता है। आइये जानते हैं इस बाइक में क्या मिला है नया अपडेट।

2024 Honda CBR650R लुक और डिजाइन

लुक और डिजाइन के बारे में बात करें तो यह अपकमिंग अपडेटेड बाइक में पहले की कंपैरिजन में और भी शॉर्प हो गई है, जो पहले की तुलना में CBR1000RR-R फायरब्लेड पर अधिक निर्भर करती है। हालांकि इसकी डिजाइन भाषा अभी भी पुरानी वाली बाइक से मिलती जुलती है। इससे भी अधिक दिलचस्प बात यह है कि होंडा ई-क्लच सिस्टम को एक विकल्प के रूप में पेश किया गया है।

2024 Honda CBR650R फीचर्स

इस अपडेटेड बाइक में ऑटोमैटिक क्लच सिस्टम दिया गया है, जो क्लच को कन्वेंशनल इस्तेमाल करने में हेल्प करता है। हालांकि इस सिस्टम की वजह से बाइक का वजन 2 किलो तक बढ़ गया है। इसके अलावा होंडा सीबीआर650आर होंडा सिलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल (एचएसटीसी), डुअल-चैनल एबीएस, फुल-एलईडी लाइटिंग और कनेक्टिविटी के साथ पांच इंच की टीएफटी स्क्रीन के साथ आता है।

रेसिंग और कम्फर्ट एक्सेसरी पैक

Hodna CB650R को दो एक्सेसरी पैक- रेसिंग और कम्फर्ट के साथ पेश किया जा रहा है। रेसिंग किट एक क्विकशिफ्टर, रंग-मिलान वाली पिलियन सीट और एक लंबी स्मोक्ड स्क्रीन ऑफर कर रही है। यह कार्बन-लुक टैंक पैड, ऑयल-लेवल गेज और टैंक ग्रिप्स के साथ भी आता है। 'कम्फर्ट' पैक में हीटेड ग्रिप्स, तीन लीटर का टैंक बैग और 15 लीटर का पिलियन सीट बैग शामिल है।

कितना दमदार है इसका इंजन

2024 होंडा CBR650R को पावर देने वाला इसमें वही इनलाइन-चार सिलेंडर मोटर है, जिसका आउटपुट 94bhp और 62.3Nm है। मोटरसाइकिल में 41 मिमी शोवा सेपरेट फोर्क फंक्शन-बड़े पिस्टन फ्रंट फोर्क और 10-स्टेप एडजस्टेबल रियर शॉक का उपयोग किया गया है।

एप्रीला RS 457 की कीमतों का हुआ खुलासा, जानें कितनी खास है ये अपकमिंग बाइक

Aprilia RS 457 का लुक काफी शार्प और दमदार है। यह बाइक पूरी तरह से फेयर्ड स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल के तौर पर दिखाई देती है। स्टाइलिंग के मामले में यह थोड़ी-थोड़ी RS 660 और rsv4 बाइक की तरह ही दिखाई देती है। को बता दे वाहन निर्माता कंपनी ने इस बाइक के फ्रंट में टस्क-शेप एलईडी डीआरएल सेट अप और एक जोड़ी एलईडी हेडलैम्प दिया है।

नई दिल्ली। Aprilia RS 457 को हाल ही में पेश किया गया था। अब कंपनी ने USA, Canada जैसे देशों में कीमतों का खुलासा किया गया है। इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं Aprilia RS 457 की खासियतों के बारे में और आपको ये भी बताएंगे कि विदेशी मार्केट में इसकी कीमतों के बारे में।

Aprilia RS 457 कितनी है कीमत

Aprilia RS 457 Opalescent Light और Prismatic Dark कलर की अमेरिका में कीमत 6,799 डॉलर (5.65 लाख रुपये) है। वहीं Racing Stripes कलर की बात करें तो इसकी कीमत अमेरिकी मार्केट में 6,899 डॉलर (5.75 लाख रुपये) है। इसके अलावा, कनाडाई मार्केट में CAD 7,799 (4.7 लाख रुपये) और CAD 7,999 (लगभग 4.84 लाख रुपये तय की गई है।

कैसी है ये बाइक ?

Aprilia RS 457 का लुक काफी शार्प और दमदार है। यह बाइक पूरी तरह से फेयर्ड स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल के तौर पर दिखाई देती है। स्टाइलिंग के मामले में यह थोड़ी-थोड़ी RS 660 और rsv4 बाइक की तरह ही दिखाई देती है। को बता दे वाहन निर्माता कंपनी ने इस बाइक के फ्रंट में टस्क-शेप एलईडी डीआरएल सेट अप और एक जोड़ी एलईडी हेडलैम्प दिया है। इसके साथ ही इस मोटरसाइकिल में हैंडलबार और बैकलिट कंट्रोल भी मिलता है।

Aprilia RS 457 फीचर्स

फीचर्स की बात करें तो इसमें 5 इंच की कलर टीएफटी, साइड में सिल्वर-फिनिश एल्यूमीनियम फ्रेम मिलता है। इसके अलावा इसमें एलईडी ब्रेक लैंप, इंडिकेटर और एक शार्प टेल-एंड भी मिलता है।

कितना दमदार है इसका इंजन ?

इस बाइक में वाहन निर्माता कंपनी ने इसमें लिक्विड-कूल्ड, ट्विन-सिलेंडर, डुअल कैम शाफ्ट इंजन दिया है। जिसे 6 स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया हैं। इस मोटरसाइकिल का वजन 159 किग्रा है। भा

इंडियन मार्केट में इस बाइक को देगी टक्कर

भारतीय बाजार में इस बाइक का मुकाबला KTM RC 390, Kawasaki Ninja 400, Upcoming Yamaha YZF R3 से होगा।

प्रदूषण और वोटों की राजनीति

योगेंद्र योगी

जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने करीब 60 लाख यहूदियों की गैस चैम्बर में जहरीली गैस छोड़ कर हत्या की थी। कमोबेश यही हालत देश के नेता राजधानी दिल्ली के करोड़ों लोगों की कर रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि हिटलर ने नस्लवादी मानसिकता से सुनियोजित तरीके से इस भीषण नरसंहार को अंजाम दिया था और भारत में नेताओं की वोटों की राजनीति के कारण इसे अंजाम दिया जा रहा है। प्रदूषित जहरीली हवा से तिल-तिल करके मरने के लिए करोड़ों लोगों को छोड़ दिया गया है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र के करोड़ों लोग जहरीली हवा लेने को मजबूर हैं। वायु प्रदूषण से मुंबई की हालत भी खराब है। दिल्ली की तरह मुंबई भी गैस चैंबर बनी हुई है। मुंबई की हवा में सांस लेना एक दिन में 100 सिगरेट पीने के बराबर आंकी गई है। दिल्ली की हालत इससे भी कई गुना ज्यादा खराब है। दिल्ली में इतनी बड़ी आबादी लापरवाही और राजनीतिक स्वार्थों के चलते भीषण प्रदूषित हवा से तिल-तिल करने को मजबूर है। हर दिन हजारों की संख्या में श्वास के रोगियों की तादाद बढ़ रही है। बच्चों और बुजुर्गों का जीना मुहाल हो चुका है। दिल्ली का वायुमंडल विश्व में सबसे प्रदूषित करार दिया जा चुका है। वोटों की राजनीति राजधानी के लोगों के जीवन पर भारी पड़ रही है। यदि सुप्रीम कोर्ट इसमें दखल नहीं देता तो दिल्ली और आसपास के हालात शायद हिटलर के कत्लगाह बने जहरीले गैस चैम्बर जैसे बन जाते।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र में जानलेवा बने वायु प्रदूषण के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली की दमघोंटू जहरीली हवा लोगों के स्वास्थ्य की हत्या के लिए जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण एक राजनीतिक लड़ाई नहीं बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, हर सर्दियों में दिल्ली के वायु प्रदूषण में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी के पीछे पड़ोसी राज्यों पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना एक प्रमुख कारक है। इसमें पंजाब सरकार से पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने को कहा गया। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार के वकील से कहा कि हम नहीं जानते कि आप इसे कैसे करते हैं, यह आपका काम है। लेकिन इसे रोका जाना चाहिए। तुरंत कुछ किया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील अपराजिता सिंह ने कहा कि पंजाब में खेतों में लगने वाली आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता में गिरावट के लिए पराली जलाने का प्रमुख योगदान है। उन्होंने कहा कि सीएक्यूएम (वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) और राज्य कह रहे हैं कि वे वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं। लेकिन पराली जलाना अभी भी जारी है। प्रदूषण की समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और उत्तर प्रदेश को निर्देश देते हुए कहा कि ये राज्य पराली जलाना तुरंत बंद कर दें। मामले पर कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निशाने पर लिया।

जस्टिस संजय किशन कौल और सुधांशु धुलिया की बेंच ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण कम करने वाले स्मॉग टावर लगाए गए और उनका खूब प्रचार किया गया, लेकिन वे बंद पड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरफ से पराली को नष्ट कर खाद बनाने वाले केमिकल के प्रचार पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पराली को खाद बनाने वाले एक केमिकल का दावा किया था। क्या यह कभी सफल हुआ? लगता है यह सब सिर्फ दिखावा ही था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में केवल एक-दूसरे पर दोषारोपण का खेल जारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हमने अपना बुलडोजर शुरू किया तो हम नहीं रुकेंगे। अदालत ने यह भी पूछा कि पंजाब में धान क्यों उगाया जा रहा है, जबकि जलस्तर पहले से ही इतना नीचे है। आप क्या कर रहे हैं? अपने जलस्तर को देखें। आप पंजाब में धान की अनुमति क्यों दे रहे हैं? आप पंजाब को हरित भूमि से बिना फसल वाली भूमि में बदलना चाहते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि पंजाब में धान की खेती का विकल्प खोजा जाए। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में कोई कमी नहीं आ रही है। पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं से राज्य की आबोहवा खराब हो रही है। इसका असर दूसरे राज्यों पर भी पड़ रहा है। प्रमुख शहर जैसे अमृतसर, बठिंडा, लुधियाना में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) काफी खराब कैटेगरी में चल रहा है। पंजाब में सबसे ज्यादा पराली जलाने के मामले सामने आए हैं। पंजाब में कुल 1830 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। फिरोजपुर दूसरे नंबर पर है। अकेले फिरोजपुर में 299 मामले पराली जलाने के दर्ज किए गए है। दिवाली के बाद वायु प्रदूषण की हालत और भी खराब होने वाली है।

चिकित्सकों के मुताबिक पिछले कुछ महीनों से ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जो फेफड़ों के इंफेक्शन से ठीक होने के बाद भी सांस फूलने की शिकायत कर रहे हैं। युवा मरीजों में भी ऐसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। कई गंभीर मरीजों को आईसीयू में भर्ती करना पड़ा है। ऐसे लक्षणों वाले सभी मरीजों में करीब 50 प्रतिशत या दो में से एक जो ओपीडी में आ रहे हैं, उन्हें कम से कम एक या दो दिनों के लिए भर्ती होना पड़ रहा है। करीब 30 प्रतिशत मरीजों को आईसीयू में एडमिट होने की जरूरत होती है। वायु प्रदूषण से लंग्स कैंसर के मामले भी बढ़ रहे हैं। दि लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार वायु प्रदूषण के कारण 2019 में भारत में 16.7 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई, जो देश में अब तक कोविड-19 से हुई मौतों से दस गुना अधिक है। इससे लगभग 36.8 बिलियन डॉलर (271446 करोड़ रुपए) का आर्थिक नुकसान हुआ। एम्स, आईसीएमआर और आईआईटी दिल्ली के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन और ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2019 शीर्षक से, इनडोर और आउटडोर दोनों में वायु प्रदूषण के आर्थिक प्रभाव को मापा गया, क्योंकि इससे समय से पहले होने वाली मौतों के कारण आउटपुट का नुकसान हुआ और रुग्णता बढ़ी। अध्ययन में कहा गया है कि ये मौतें पिछले साल देश में हुई कुल मौतों का 17.8 प्रतिशत थीं, जबकि आर्थिक नुकसान भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.36 प्रतिशत था।

वायु प्रदूषण से भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में साल दर साल लगभग 0.56 प्रतिशत की कमी आ रही है, क्योंकि जीडीपी की गणना में शामिल वस्तुओं एवं सेवाओं पर वायु प्रदूषण नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। भारत में वायु प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित स्तर का लगभग 20 गुना और भारत के अपने मानकों से दो गुने से भी अधिक है। वायु, जल, भूमि और ध्वनि प्रदूषण स्वास्थ्य के साथ-साथ अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। प्रदूषण के लगातार गहराते संकट को देखते हुए अब तो यह भी आशंका व्यक्त की जा रही है कि वायु प्रदूषण से होने वाला आर्थिक नुकसान 2024 तक भारत के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के सपने पर भी पानी फेर सकता है। प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण माना जाता है। यह दुनिया में असमय मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। ऐसा नहीं है कि प्रदूषण से देश के लोगों के स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का राजनीतिक दलों और केंद्र व राज्य सरकारों को अंदाजा नहीं है, किन्तु क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों के सामने राष्ट्रवाद बौना साबित हो रहा है। देश की तरक्की और निर्धारित आर्थिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जरूरी है कि सरकारें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें।

प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण माना जाता है। यह दुनिया में असमय मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। ऐसा नहीं है कि प्रदूषण से देश के लोगों के स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का राजनीतिक दलों और केंद्र व राज्य सरकारों को अंदाजा नहीं है, किन्तु स्वार्थों के सामने उपेक्षा हो रही है'

संपादक की कलम से

जलवायु परिवर्तन की तपन

आज दुनिया में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते, भयावह प्रभावों की बात करेंगे। हम नवम्बर में दीपावली पर्व मना रहे हैं, लेकिन हमारे गरम कपड़े अभी गायब हैं। देश के करीब 99 फीसदी हिस्से अधिक तापमान को झेल रहे हैं। राजधानी दिल्ली और आसपास के शहरों का अधिकतम तापमान अब भी 32-34 डिग्री सेल्सियस है। रात के न्यूनतम तापमान में कुछ ठंडक आई है, लेकिन पंखे अब भी चल रहे हैं। औसत तापमान सामान्य से अधिक है, लिहाजा सर्दी का एहसास भी गायब है। मौसम विज्ञानियों का आकलन है कि इस बार 15 दिसंबर तक वैसी सर्दी महसूस नहीं होगी, जिसके लिए दिल्ली और आसपास के क्षेत्र विख्यात हैं। बीती कई सदियों की सर्दी का आकलन किया गया है, तो 2023 को सबसे गरम वर्ष आंका जा रहा है। मौसम के इस बदलते रुख के मानवीय स्वास्थ्य, कृषिगत और अर्थव्यवस्था संबंधी नकारात्मक असर भी सामने आ रहे हैं, क्योंकि अनुकूलन का माहौल नहीं है और गरम कपड़ों का बाजार उदास, मूकदर्शक बना है। मौसम विज्ञानी मान रहे हैं कि संभव है कि आगामी मई-जून में जबरदस्त गर्मी के स्थान पर बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के मौसम देखने और झेलने पड़ें! एक तरफ देश के करीब 91 फीसदी शहरों, कस्बों में प्रदूषण की जहरीली हवाएं चल रही हैं, वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार गंभीर श्रेणी में दर्ज किए जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ प्रकृति बेहद नाराज है और सर्दियों में ठंडक ही गायब है। तमिलनाडु में भारी बारिश का प्रकोप है। राजधानी के कुछ हिस्सों में शुक्रवार की सुबह कुछ बूंदाबांदी हुई है।

यही तो जलवायु परिवर्तन के भयानक और नकारात्मक असर हैं-बेमौसमी सब कुछ। दुर्भाग्य और विडंबना है कि हम अब भी पर्यावरण के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। पृथ्वी का तापमान बढ़ता ही जा रहा है। यह कार्बन उत्सर्जन, विषैली गैसों और धुएं का ही असर है कि जिन यूरोपीय देशों में, घर-दफ्तरों में, पंखे ही नहीं होते थे और अधिकतर मौसम सर्द ही रहता था, वहां आजकल तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक है। वहां के लोग तालाबों, झरनों में नहा रहे हैं और घर-दफ्तरों में पंखे भी चलने शुरू हो गए हैं। इटली के वेनिस शहर की झीलों पर सूखने के संकट मंडरा रहे हैं। दुनिया भर से लोग इस खूबसूरत शहर में आते रहे हैं और झीलों में नौका-विहार का आनंद उठाते रहे हैं, लेकिन लगातार गर्मी इतनी बढ़ती जा रही है कि झीलों का पारदर्शी पानी भाप बनने लगा है। ये प्रत्यक्ष तौर पर जलवायु परिवर्तन के ही प्रभाव हैं। भारत में 90 फीसदी से अधिक कामगार और मजदूर खुले में ही काम करने को बाध्य हैं। यदि जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मियां लगातार लंबी होती रहीं, तो इस तरह काम करना असंभव-सा होता जाएगा। जाहिर है कि कामगारों की औसत उत्पादकता और कार्य-शक्ति कम होती जाएगी। अंततः नुकसान देश का ही होगा। सर्वोच्च अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को लेकर सरकारों को फटकार लगाते रहे हैं।

चेतावनियां भी जारी करते हैं, लेकिन हमारा राजनीतिक नेतृत्व बिल्कुल संवेदनहीन है। उसे भविष्य के खतरों से डर नहीं लगता। वह अपनी ही सत्ता और सियासत के नशे में चूर है। दुर्भाग्य यह भी है कि ये मुद्दे जन-सरोकार के आधार नहीं बनते। प्रदूषण और बदलते मौसम के भयावह खतरों पर आंदोलन तैयार नहीं किए जा सकते और न ही कोई चुनाव निश्चित किया जा सकता है। हमारे प्रधानमंत्री ने आज तक, कमोबेश इसी वर्ष के मौसम में, इन मुद्दों का कभी भी गंभीर उल्लेख नहीं किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों में जो लक्ष्य तय किए गए हैं, उन पर संबद्ध मंत्रालय कुछ काम कर रहे होंगे, क्योंकि उसी वैश्विक मंच पर जवाबदेही भी तय होनी है, लेकिन पृथ्वी का औसत तापमान कितना कम किया जा रहा है अथवा उस संदर्भ में कितने सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं, उनके कुछ उथले से जवाब तो होंगे। वैसे प्रकृति की करवटों को हम प्रत्यक्ष तौर पर झेल ही रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या वैश्विक स्तर पर है। यह माना जाता है कि इसके लिए ज्यादा दोषी विकसित देश हैं, जो अपनी जिम्मेवारी समझने के लिए तैयार नहीं हैं। कई अवसरों पर विकसित देशों ने वादा किया कि वे ग्लोबल वार्मिंग की समस्या को हल करने के लिए पूरे प्रयास करेंगे, लेकिन क्रियान्वयन के स्तर पर आज तक खास कुछ नहीं हुआ।

चर्चा

खेलों की ओर हमारे कदम

राष्ट्रीय खेलों में हिमाचल के नाम रहे पदक तसदीक करते हैं कि पर्वतीय हवाओं की दृढ़ता में, राष्ट्र गान की ध्वनि के लिए हमारे फेफड़े कितने ताकतवर हैं। पदकों की एक श्रृंखला इस बार बनी है, जहां एथलेटिक्स में सीमा राष्ट्रीय फलक पर दौड़ कर अव्वल रही, तो महिला कबड्डी व हैंडबाल में राष्ट्र की स्टेज पर हिमाचल की बेटियों ने शिखर प्राप्त किए। हालांकि पदकों के हिसाब से प्रदेश 26वें स्थान पर दिखाई दे रहा है, लेकिन महिला खिलाडियों ने दम दिखाते हुए हरियाणा की दिग्गज टीमों को पछाड़ा है। हिमाचल को अभी भी मणिपुर व गोवा से सीखना होगा, जिन्होंने क्रमशः छठे व नौवें स्थान पर रहते हुए यह प्रमाणित किया कि छोटे राज्य भी कमाल कर सकते हैं। हिमाचल में खेलों के प्रति सरकार, समाज और अभिभावकों को इस तर्ज पर सोचना होगा ताकि करियर के स्थान पर खेलों को प्राथमिकता मिले। कुछ प्रयास शुरू हुए हैं और हिमाचल के खिलाड़ी डीएसपी स्तर तक सीधे नियुक्ति पा रहे हैं, फिर भी ऐसे जुनून की पैरवी के लिए प्रदेश को दिल खोलना पड़ेगा। बेशक खेल छात्रावासों के माध्यम से कुछ टेलेंट बाहर निकला है, लेकिन ढांचागत उपलब्धियों के लिए प्राथमिकताएं तय करने की जरूरत है। पिछली जयराम सरकार के दौरान भी एक खेल नीति सामने आई, लेकिन कार्यान्वयन की दृष्टि से यह भी पिछड़ गई। अब नए खेल मंत्री के रूप में विक्रमादित्य सिंह ने खेल नीति को फिर से नई धार देने की हामी भरी, लेकिन जमीन पर हलचल दिखाई नहीं दी। यह दीगर है कि एचपीसीए ने कुछ महिला क्रिकेटर को राष्ट्रीय टीम तक पहुंचाया है।

हिमाचल में अगर स्नेहलता जैसे कोच के निजी प्रयास से शुरू हुआ हैंडबाल का काफिला आज भारत विजेता बन कर लौट रहा है, तो बाकी खेल संघों को भी सक्रियता के साथ परिणाममूलक प्रयत्न करने होंगे। वर्षों से प्रदेश में खेल प्राधिकरण, खेल महाविद्यालय व विभिन्न खेलों की अकादमियां स्थापित करने की घोषणाएं तो होती रहीं, लेकिन जमीनी प्रयास नगण्य हैं। केवल एक बार धूमल सरकार ने गंभीर प्रयास करते हुए खेल प्रशिक्षक नियुक्त किए थे, लेकिन यह कसौटी भी खत्म हो गई। अब 'खेलो इंडिया' के तहत केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने हमीरपुर में एक एक्सीलेंस सेंटर की बात कही है, जबकि इससे पूर्व धर्मशाला में राष्ट्रीय प्रशिक्षण के एक्सीलेंस सेंटर एवं छात्रावास के लिए आया 26 करोड़ का स्वीकृत बजट तहस-नहस हो गया। इसी तरह हाई अल्टीट्यूट प्रशिक्षण केंद्र को निर्धारित जमीन धूल फांक रही है। बेशक पर्यटन की दृष्टि से वाटर स्पोट्र्स की एक महत्त्वाकांक्षा परियोजना नादौन के लिए स्वीकृत हुई है, लेकिन हिमाचल को वाटर स्पोट्र्स का हब बनाने के लिए कृत्रिम झीलों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा।

हिमाचल में खेल संघों की सक्रियता तथा खिलाडियों की वित्तीय सुरक्षा के लिए अहम फैसले लेते हुए अगर ग्रामीण एवं स्कूली खेलों को बुनियादी तौर पर अहमियत दें तो वातावरण और सशक्त होगा। केंद्रीय विश्वविद्यालय अपने जदरांगल परिसर के तहत, अगर खेल विश्वविद्यालय की तरह मणिपुर से सीखे तो यह राष्ट्रीय स्तर पर एक मील पत्थर साबित होगा। हिमाचल में खेलों को अगले स्तर पर ले जाने के लिए राष्ट्रीय खेलों का आयोजन करते हुए एक साथ आधा दर्जन शहरों में अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा उपलब्ध हो तो पर्वतीय आबोहवा में प्रशिक्षण के साथ-साथ ऐसा जज्बा भी परवान चढ़ेगा, जो आगे चलकर तमगों में हासिल होगा। हिमाचल में छिंजों के आयोजन को अगर व्यावसायिक पहलवानी के सेंटर के रूप में सुदृढ़ करें, तो यह क्षेत्र भी प्रदेश को नाम दे सकता है।

पंकज कुमार शर्मा

तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा का महत्त्व

तकनीकी शिक्षा के लिए तकनीकी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम और विषय सामग्री की समय-समय पर समीक्षा करना महत्त्वपूर्ण है'

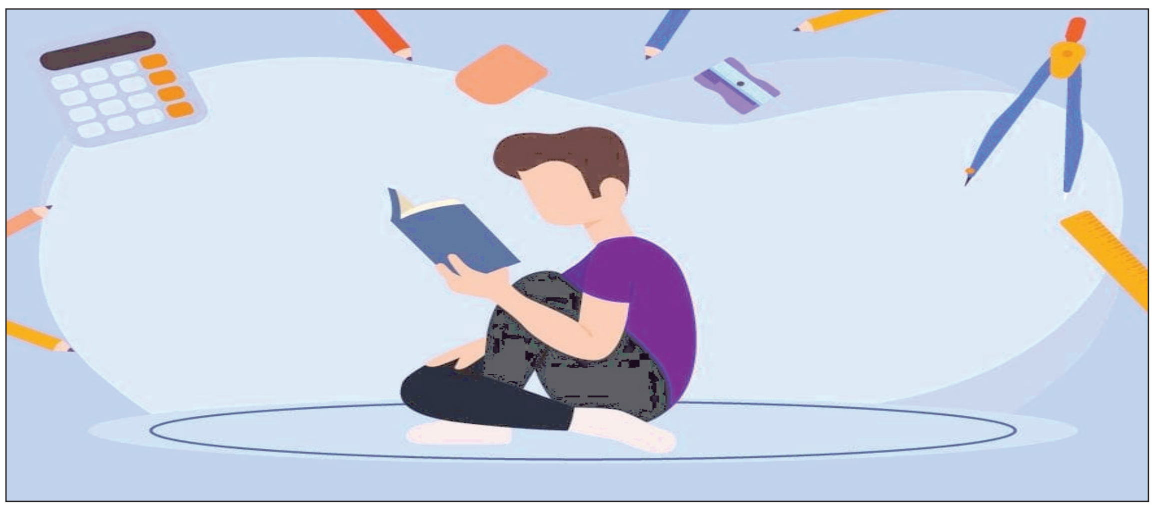

किसी देश के विकास में उस देश की शैक्षिक व्यवस्था का बहुत अत्यधिक महत्त्व होता है और अगर उस शिक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को व्यवसाय दिलाना और उनको जीविकोपार्जन योग्य बनाना हो तो उस देश का विकास निश्चित होता है। शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्यों और लक्ष्यों की प्राप्ति तभी कर सकती है जब वह शिक्षा तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा हो। वर्तमान में शिक्षा की घटती गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए जरूरी है कि शिक्षा को पूर्णतः तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में परिवर्तित किया जाए। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा छात्रों को व्यवसाय चुनने में ही सहायक नहीं है, अपितु इसके द्वारा छात्रों का सर्वांगीण विकास भी किया जाता है। आधुनिक युग में बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है कि शिक्षा को छात्रों के अनुरूप बनाया जाए जिससे वह अपने वास्तविक उद्देश्यों की प्राप्ति कर सके। बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए तकनीकी शिक्षा बहुत महत्त्वपूर्ण है। कुशल लोग बेरोजगार नहीं हो सकते। यदि वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू करते हैं, तो वे अन्य शिक्षित लोगों को नौकरी के अवसर प्रदान कर सकते हैं। इस प्रकार तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा बेरोजगारी की समस्या को कम करने में मदद करती है। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा किसी देश के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। निर्माण के हर क्षेत्र में तकनीशियनों की जरूरत होती है। तकनीकी शिक्षा निर्विवाद रूप से राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को बढ़ावा देती है। तकनीकी एवं व्यावसायिक के कई लाभ होते हैं।

यदि किसी देश के पास पर्याप्त तकनीकी ज्ञान है, तो निस्संदेह विकास की गति तेज होगी। तकनीकी शिक्षा कुशल जन शक्ति का सृजन कर, औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाकर और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करके देश के मानव संसाधन विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारा देश प्राकृतिक साधनों में धनी देश है। लेकिन अब भी हमारे देश के लोग निर्धन हैं। हमारे पास ऐसे कुशल युवा व्यक्ति नहीं हैं जो इन साधनों का उचित प्रकार से उपयोग कर सकें। सिर्फ तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा ही हमें विशेषज्ञ इंजीनियर और तकनीशियन देती है। हमारे देश में बड़ी मात्रा में इनकी आवश्यकता है। आज हमारा भारत विकास की ओर बढ़ रहा है। कई सुख सुविधाएं हमारे देश को मिल चुकी हैं। अब हमारे देश की तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता है क्योंकि जिस देश में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, वह देश विकास की ओर बढ़ता है। इस शिक्षा के माध्यम से देश के युवाओं को प्रशिक्षण देकर उनको हुनर सिखा कर आगे बढ़ाया जाता है। जब देश के युवा आगे बढ़ेंगे तब हमारे देश का विकास होगा। हमें सभी व्यवसायों में योग्य और प्रशिक्षित कार्य करने वालों की आवश्यकता है। यह तब ही संभव हो सकता है जब हम उन्हें व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण दें। सरकार भी इस विषय को गंभीरता से ले रही है क्योंकि सरकार भी जानती है कि हमारे देश में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा का स्तर बढ़ाने की आवश्यकता है। हमारे देश में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के प्रति लोगों का दृष्टिकोण उचित नहीं है।

यहां मानसिक श्रम की अपेक्षा शारीरिक श्रम को हेय दृष्टि से देखा जाता है। शारीरिक श्रम के प्रति जनता का दृष्टिकोण बदलना आवश्यक है। इसके लिए सरकार एवं सामाजिक संस्थाओं का कत्र्तव्य है कि वे जनता को शारीरिक श्रम के महत्त्व से अवगत कराएं। तकनीकी शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। इससे छात्रों को विषय समझने में कठिनाई होती है।

हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषा को तकनीकी शिक्षा का माध्यम बनाया जाना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषा में समस्त तकनीकी पुस्तकों का अनुवाद कराया जाए एवं पढ़ाया जाए। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों के लिए सुयोग्य प्रशिक्षित शिक्षक नहीं मिल पा रहे हैं जिससे इस शिक्षा के विस्तार कार्य को काफी धक्का पहुंच रहा है। इसलिए नयी-नयी तकनीक के अनुसार शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में प्रयोगों का विशेष महत्त्व है, किन्तु विद्यालयों में सैद्धांतिक शिक्षा पर ही विशेष बल दिया जाता है। तकनीकी विषयों को श्यामपट्ट पर ही समझा दिया जाता है। प्रायोगिक शिक्षा के अभाव में विद्यार्थी विषय को अच्छी तरह नहीं समझ पाते और शिक्षा समाप्ति के पश्चात उन्हें व्यावहारिक क्षेत्र में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य की सुविधाओं का अभाव है, जिसके लिए शिक्षण संस्थानों में प्रायोगिक शिक्षा पर विशेष बल देना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वर्तमान में देश में बहुत कम अच्छे तकनीकी संस्थान हैं जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुसार तकनीकी रूप से प्रशिक्षित व्यक्ति की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। हमारे अधिकांश युवा पुरुषों में सभी प्रकार के शारीरिक श्रम के प्रति कुछ पूर्वधारणाएं होती हैं और वे ज्यादातर अपने हाथों से काम करने के बजाय किसी कार्यालय में नौकरी करना पसंद करते हैं। आज हर कोई सफेदपोश नौकरी चाहता है। परिणामस्वरूप शारीरिक श्रम का ह्रास हो रहा है। दूसरी ओर बेरोजगारी भी एक बड़ी चिंता का विषय है और इससे देश के युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आजकल तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा तभी सफल होने की संभावना है जब देश का एक बड़ा हिस्सा पर्याप्त रूप से साक्षर हो जाएगा। तकनीकी शिक्षा केवल इंजीनियरिंग कोर्स करने या डिजाइनिंग कोर्स के लिए कुछ ऊंची फीस तक ही सीमित नहीं है। उचित नीति यह होगी कि प्रारंभिक चरण में उदार शिक्षा पर जोर दिया जाए और फिर छात्र की योग्यता और झुकाव पर वैज्ञानिक अनुसंधान की पसंद के आधार पर तकनीकी शिक्षा का मुख्य पाठ्यक्रम शुरू किया जाए। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा का किसी देश की आर्थिक स्थिरता से भी बहुत गहरा संबंध है। अच्छे तकनीकी कौशल कुछ नए तकनीकी नवाचारों को प्रभावित कर सकते हैं और साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छी नौकरियां पाने में भी सहायक हो सकते हैं। इसलिए, हमारी तकनीकी शिक्षा के लिए तकनीकी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम और विषय सामग्री की समय-समय पर समीक्षा करना बहुत महत्त्वपूर्ण हो जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अद्यतन हैं और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप देश की तकनीकी आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा कर रहे हैं।

चिंतन विचार

मिठास की दीपावली यात्रा

दीपावली के दिनों में मेरी पत्नी के दिमाग में पैकेट्स का लेना देना शुरू हो जाता है। उसे पता है कौन किस तरह का पैक देकर जाएगा। स्थानीय मिठाई देने वालों बारे हम पहले सोच कर रखते हैं। योजना बनाकर चलते हैं, फिर भी होता वही है जो होना है। पिछले बरस हमने जो पैकेट कपूरजी के यहां भिजवाया था, अगली सुबह वर्माजी वही डिब्बा लेकर हमारे यहां पधारे। हम पत्नी-पति जब कपूरजी के यहां गए तो श्रीमती कपूर बाज़ार गई हुई थी, नहीं उन्हें शक हो जाता कि मिठाई बढिया नहीं, तभी चमकते कागज़ में पैक है। श्रीमती कपूर जानती थी अब पैकिंग सामान के आकार से बड़ी और आकर्षक होती है और भडक़ीले पैक से वह चीज़ निकलती है जिसकी आशा नहीं होती। लेकिन कपूरजी को दिए गए अंतर्राष्ट्रीय लुक वाले पैकेट में बढिया क्वालिटी की मिठाई थी। हमें लगा श्रीमती कपूर व श्रीमती वर्मा चर्चा करती होंगी कि उनका डिब्बा इनके, इनका जिनके और किसका किसके यहां पहुंच जाता है। किसे फुर्सत रहती है कि देखें किसने कौनसी व कैसी मिठाई या क्या दिया है। स्थानीय हलवाई से खरीदी है या रेडीमेड। हमें अच्छा नहीं लगा, लेकिन हमारा डिब्बा हमें ही वापस मिल गया। पत्नी ने मुंह बिचकाया, हमारा नहीं है, हमारे वाला वापस क्यों आएगा। मैंने कहा सर, डिब्बाजी खुद नहीं आए, वर्माजी ने भिजवाए हैं। यह पैकेट कपूरजी ने शर्माजी को दिया होगा, कुछ देर बाद शर्माजी ने गुप्ताजी के यहां पहुंचा दिया होगा। श्रीमती गुप्ता ने अपने परिचितों का हिसाब करते हुए गुप्ताजी को कहा होगा मेहताजी के यहां दे आओ, शर्माजी के यहां से आया है, अन्दर माल ठीक होगा।

खोल लिया तो खाई जाएगी, फिर बाज़ार से एक और लाना पड़ेगा। मेहताजी ने क्यों नहीं रखा, वर्माजी के यहां क्यों भिजवाया, क्या श्रीमती मेहता ने सोचा होगा कि गुप्ता ने जानबूझ कर चलताउ मिठाई दी है। क्योंकि वर्माजी उनके पड़ोसी हैं, दीवार के चक्कर में उनका रोज़ का झगड़ा है, मगर दिवाली की शुभकामनाओं के दिखावे के लिए उन्होंने यह डिब्बा वर्माजी के यहां भिजवाया होगा, पप्पू के हाथ। क्योंकि वर्मा ने मेहता को मिठाई नहीं भिजवाई, इसलिए डिब्बा आगे सरका दिया। उन्होंने थैंक्स भी नहीं कहा होगा। मतलब यह कि पैकेट किसी ने भी खोल कर नहीं देखा क्योंकि सभी को औपचारिकता निभानी थी। यदि हम डिब्बे को बिना रैप किए देते तो संभवतः कपूरजी के यहां ही खुल जाता। हमारा पैकेट हमें ही मिल गया, देखूं खोलकर, बेटा बोला। मैंने उसे मना किया, लेकिन उसने तुरंत ऊपर लगा कागज़ उतार दिया। अन्दर वह डिब्बा नहीं था जो हमने पैक किया था, मगर आकार वही था।

मिठाई के साथ कार्ड पर लिखा था, 'उन्हें धन्यवाद जिनकी बदौलत इतनी स्वादिष्ट मिठाई खाने को मिली, वर्मा परिवार।' वर्माजी को विश्वास था, यह मिठाई उनके अच्छे पड़ोसी मेहताजी ने उनके लिए खरीदी नहीं होगी और कहां से आया, देखने के चक्कर में डिब्बा खोल दिया होगा। वर्माजी का धन्यवाद सभी के लिए था जिनके यहां से होते हुए हमारा डिब्बा उन तक पहुंचा। हम संतुष्ट हुए, हमारा वापस नहीं आया। दिलचस्प यह रहा कि हमने बाज़ार से सोन पापड़ी का एक भी डिब्बा नहीं खरीदा, लेकिन हमारे यहां आधा दर्जन से ज़्यादा डिब्बे आ गए जिन्हें पत्नी ने इधर उधर पहुंचाने में देर नहीं की।

प्रभात कुमार

किसानों को मिला दीवाली का उपहार, इस दिन बैंक अकाउंट में आएगी पीएम किसान योजना की 15 किस्त

देश के करोड़ो किसान पीएस किसान समान निधि स्कीम योजना का अगली किस्त का इंतजार कर रहे थे। अब यह इंतजार खत्म हुआ। सरकार ने पीएन किसान योजना की 15वीं किस्त के लिए तारीख का एलान कर दिया है। किसानों के अकाउंट में इस दिन पीएम किसान स्कीम की राशि आ जाएगी।

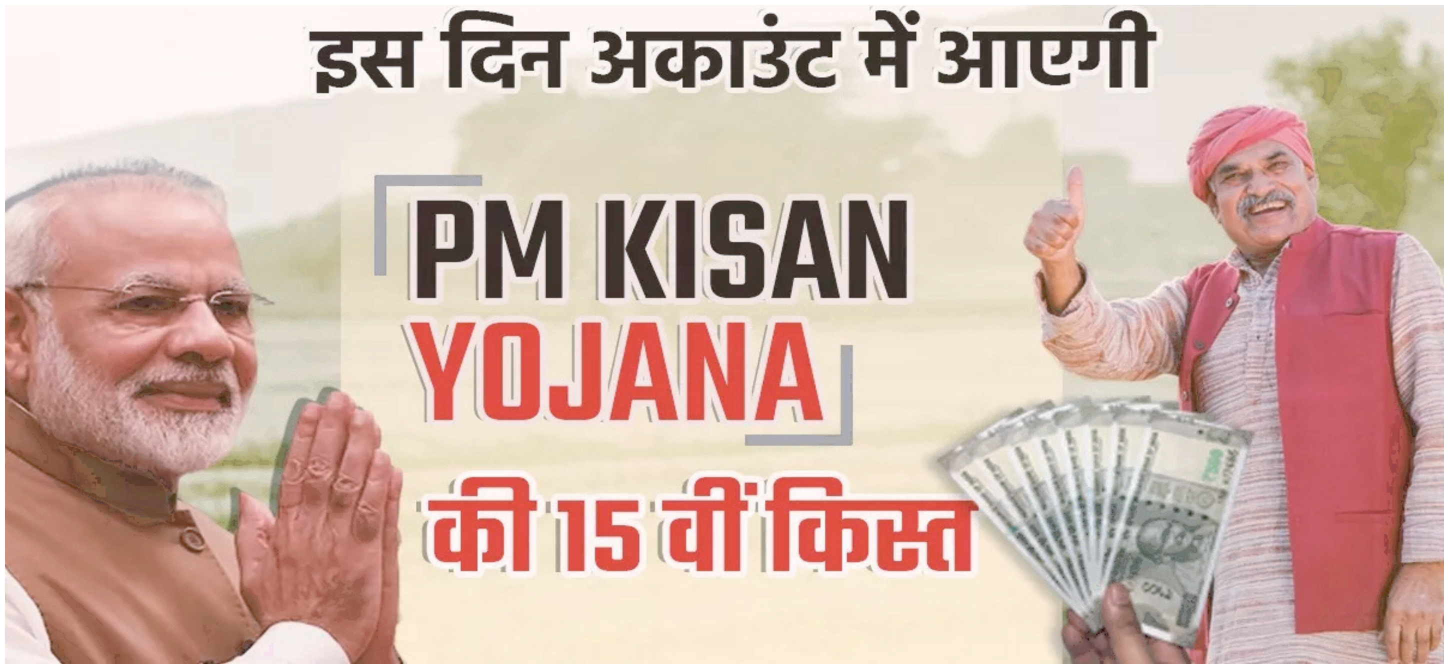

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने किसानों को आर्थिक लाभ देने के लिए पीएम किसान योजना (PM Kisan Samman Nidhi Yojana) शुरू किया था। इस स्कीन में किसानों को सालाना 6,000 रुपये की राशि दी जाती है। यह राशि किसानों को किस्तों के तौर पर दी जाती है। इस योजना की खासियत है कि इसका लाभ देश के सभी वर्ग के किसानों को मिलता है।

27 जुलाई 2023 को किसानों के अकाउंट में पीएम किसान योजना की 14वीं किस्त आई थी। पीएम किसान योजना में दी गई राशि किसानों के बैंक अकाउंट में डायरेक्ट आती है। सरकार ने पीएम किसान योजना की 15वीं किस्त की तारीख का एलान कर दिया है।

इस दिन किसानों के अकाउंट में आएगी किस्त

पीएम किसान की 15वीं किस्त 15 नवंबर 2023 को किसानों के अकाउंट में आएगी। सरकार ने किसानों को दीवाली का गिफ्ट दिया है। पीएम मोदी ने किसानों के साथ एक संवाद में बताया था कि 15 नवंबर को किसानों के अकाउंट में किस्तों को ट्रांसफर किया जाएगा। आपको बता दें कि इस स्कीम का लाभ केवल उन किसानों को मिलेगा जिन्होंने ई-केवाईसी (E-KYC) पूरा करेगा। जिन किसानों ने ई-केवाईसी और जमीन सत्यापन नहीं किया है उनके किस्त अटक सकती है।

पीएम किसान हेल्पलाइन नंबर

पीएम किसान योजना में किसी भी परेशानी के लिए हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। पीएम किसान हेल्पलाइन नंबर 155261 या 1800115526 है। इसके अलावा 011-23381092 पर भी संपर्क कर सकते हैं। वहीं ई-मेल आईडी (pmkisan-ict@gov.in) पर भी मेल कर सकते हैं।

लाभार्थी लिस्ट में नाम कैसे चेक करें

आपको पीएम किसान के पोर्टल पर जाना है।
अब आप डैशबोर्ड पर क्लिक करें और विलेज डैशबोर्ड पर सेलेक्ट करें।
इसके बाद आपको अपनी सारी जानकारी दर्ज करना होगा और आगे बढ़े को सेलेक्ट करें।
अब आपके सामने आपका स्टेटस शो हो जाएगा।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के सितंबर तिमाही में मुनाफे में आई बढ़त, रेवेन्यू में भी हुआ इजाफा

देश की सबसे बड़ी स्टॉक एक्सचेंज बीएसई ने सितंबर 2023 में समाप्त तिमाही का आज एलान किया है। इस तिमाही बीएसई का मुनाफा और रेवेन्यु में बढ़ोतरी हुई है। इस तिमाही में बीएसई का नेट प्रॉफिट चार गुना वृद्धि हुई है। वहीं रेवेन्यु भी 367 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज देश की सबसे बड़ी स्टॉक एक्सचेंज है। सितंबर तिमाही में बीएसई का नेट प्रॉफिट चार गुना वृद्धि के साथ 118.4 करोड़ रुपये दर्ज हुआ है। बीएसई ने एक बयान में कहा कि इसकी तुलना में एक्सचेंज ने एक साल पहले की अवधि में 29.4 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

चालू वित्त वर्ष (FY24) की जुलाई-सितंबर तिमाही में एक्सचेंज का राजस्व 53 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 367 करोड़ रुपये हो गया। यह एक साल पहले की अवधि में 240 करोड़ रुपये था।

एक्सचेंज के एमडी और सीईओ, सुंदररमन राममूर्ति ने कहा हम मानव संसाधनों, नए उत्पादों, प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे आदि के विकास में निवेश करना जारी रखेंगे, और इस प्रकार दीर्घकालिक विकास शेयरधारकों को आगे बढ़ाएंगे और वाइब्रेंट बीएसई 2025 के अपने मिशन को पूरा करेंगे।

जुलाई-सितंबर तिमाही में इक्विटी सेगमेंट में एक्सचेंज का औसत दैनिक कारोबार बढ़कर 5,922 करोड़ रुपये हो गया, जो सितंबर 2022 को समाप्त तीन महीनों में 4,740 करोड़ रुपये था।

इसके अलावा, बीएसई के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को अपनी बैठक में इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज (आईएफएससी) लिमिटेड (इंडिया आईएनएक्स) में 22.36 करोड़ रुपये और इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज (आईएफएससी) लिमिटेड (इंडिया आईसीसी) में 33.88 करोड़ रुपये के फंड को मंजूरी दे दी है। राइट्स इश्यू की सदस्यता के माध्यम से इक्विटी शेयरों की खरीद के लिए।

दिवाली पर मां लक्ष्मी का आशीर्वाद पाना चाहते हैं, निवेशकों को फॉलो करना चाहिए यह टिप्स

दिवाली का त्योहार शुरु हो गया है। दिवाली में सोना-चांदी खरीदना काफी शुभ माना जाता है। इस दिन लक्ष्मी मां की कृपा पाने के लिए लोग लक्ष्मी पूजन करते हैं। ऐसें में कुछ एक्सपर्ट ने सलाह दी है कि इस दीवाली निवेशकों को लक्ष्मी पूजा किस तरह करनी चाहिए। आइए इस आर्टिकल में इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। कल पूरे देश में रोशनी का त्योहार दीवाली मनाया जाएगा। माना जाता है कि इस दिन धन और सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। इस दिन लोग मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए घर में पूजा करते हैं। इस दिन मां लक्ष्मी अपना आशीर्वाद बरसाती हैं। ऐसे में मां लक्ष्मी को कैसे प्रभावित करें इसको लेकर आज हम आपको कुछ टिप्स के बारे में बताएंगे। यह टिप्स आपको मां लक्ष्मी का आशीर्वाद पाने में काफी मदद करेगा।

जानिए, हमें मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए क्या टिप्स फॉलो करना चाहिए।

सफाई

आपको अपने घर में खुशनुमा माहौल बनाने के लिए आपको अपने घर में साफ-सफाई करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि लक्ष्मी मां को स्वच्छता वाली जगह काफी आकर्षित करती है। अगर आपका घर गंदा या फिर बिखरा हुआ होता है तो यह मां लक्ष्मी को प्रसन्न नहीं कर सकता है। ऐसे में अगर आप भी निवेशक हैं तो आपको ध्यान देने की जरूरत है कि उनका घर और उनके काम का स्थान साफ-सुथरा रहना चाहिए।

सोच-समझकर निवेश करें

निवेश करते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चीहिए। निवेशक को सोच-समझकर ही निवेश करना चाहिए। इसके अलावा निवेश करना कभी-कभी रिस्की होता है। ऐसे में धैर्य रखना काफी जरूरी है। देवी मां उन लोगों को सरहाना देती हैं जो धैर्य और सोच-समझकर निवेश करती हैं।

वित्तीय अनुशासन

वित्तीय रूप से खुद को मजबूत करने के लिए वित्तीय अनुशासन काफी जरूरी है। अगर निवेशक अनुशासन के साथ वित्तीय निवेश करती हैं तो उनको जीवन में आगे बढ़ने में काफी मदद मिलता है।

अनावश्यक खर्चों से बचें

कई बार लोग अनावश्यक खर्च करते हैं जो उनको वित्तीय रूप से अस्थिर बना देती है। ऐसे में खुद को वित्तीय रूप से मजबूत होने के लिए अनावश्यक खर्चें और कर्ज से बचना चाहिए। माना जाता है कि अगर मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलने से वित्तीय भविष्य द्वार खुल जाता है।

लिया है होम लोन तो मिलेंगे ये खास फायदे, इन जरूरी बातों का रखना होगा ध्यान

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आपने होम लोन लिया है या लेने की तैयारी में है तो बता दें कि ये आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। ऐसे में आज हम बात करेंगे कि अगर आप होम लोन लेते हैं तो आप टैक्स से बच सकते हैं। इसके अलावा घर में इंवेंट करने से आप किराया देने जैसे झंझट से बच सकते हैं। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। अपने पसंदीदा शहर में अपना पसंदीदा घर होना सबका सपना होता है। ऐसे में इसे पूरा करने के लिए ज्यादातर लोग होम लोन का सहारा लेते हैं, क्योंकि इसकी मदद से आपको इस मंहगाई के समय में अपना सपना पूरा करना आसान हो जाता है।

आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप अपने होम लोन की मदद से अपने पैसे सुरक्षित कर सकते हैं। आइये इसके बारे में जानते हैं।

इंवेस्टमेंट के लिए बेस्ट है लोन

अगर आप होम लोन ले रहे हैं तो आपको एक बेहतर ऑप्शन मिलता है कि इंवेस्टमेंट करके फ्यूचर के लिए सिक्योर कर सकते हैं।

इसलिए प्रापर्टी में इंवेस्ट करना सही रहता है। ऐसे में होम लोन आपको सहूलियत देता है।

इसके अलावा ये एक ऐसा इंवेस्टमेंट है, जिसकी कीमत कभी भी कम नहीं होती और यह लंबे समय तक चलता है।

किराए से मिलती है आजादी

घर खरीदने से आपको रेट और अन्य किराए के झमेलों से फुरसत मिल जाती है। क्योंकि आपके पास अब खुद का घर है।

इसके अलावा आप अपनी आर्थिक स्थिति के हिसाब से होम लोन की EMI अपने हिसाब में सेट कर सकते हैं।

टैक्स में होती है बचत

अगर आप घर खरीदते है तो आपके होम लोन पर लगने वाले ब्याज के कारण अपने टैक्स रिटर्न फाइल करने पर छूट मिलती है।

मगर आपको ध्यान रखना होगा कि आप अलग-अलग बैंको की ब्याज दरें की तुलना करें, क्योंकि अलग-अलग बैंको की दरें अलग-अलग होती है।

इस तरह से आप होम लोन के साथ भी अपने फाइनेंशियल जरूरतों को मैनेज कर सकते हैं। उम्मीद है कि ये प्वॉइंट्स आपके लिए काम आएंगे।

दिवाली पर खरीद रहे गोल्ड ज्वैलरी, सरकारी ऐप से रियल टाइम में चेक करें सोने की शुद्धता

दिवाली के मौके पर लोग कुछ न कुछ नई ज्वैलरी खरीदते हैं। ऐसे में ज्वैवरी शॉप में सबसे ज्यादा भीड़ होती है क्योंकि सोने के आभूषण खरीदना शुभ मानते हैं। आपको सोने शुद्धता जांच करवाने के लिए आप BIS ऐप इस्तेमाल कर सकते हैं। BIS Care App के जरिए आसानी से सोने की ज्वैलरी पर लगे हॉलमार्क को आसानी से वेरिफाई कर सकते हैं।

नई दिल्ली। दिवाली के मोके पर गोल्ड या सिल्वर खरीदना काफी शुभ माना जाता है। बीते दिन देश भर में धनतेरस (Dhanteras 2023) मानाया गया। इस दिन लोग कुछ न कुछ नया जरूर खरीदते हैं। इस दिन सबसे ज्यादा भीड़ ज्वैलरी के दुकानों पर रहती है क्योंकि धनतेरस के अवसर पर लोग सोने के आभूषण खरीदना शुभ मानते हैं।

सोना तभी खरा माना जाता है जब वो शुद्ध होता है। डिजिटल जमाने में अब आपको किसी सुनार से सोने की शुद्धता जांच करवाने की जरूरत नहीं है। आप बस एक ऐप के जरिए सोने की शुद्धता जांच कर सकते हैं।

क्या है ऐप का नाम?

गोल्ड की प्योरिटी की जांच करने वाले इस ऐप का नाम 'BIS Care App' है जिसे आप प्ले और ऐप स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। बीआईएस केयर ऐप खरीदारों को आभूषणों की प्रामाणिकता के बारे में रियल टाइम अपडेट करता है।

यह ऐप किसी निजी संस्था द्वारा नहीं बल्कि भारत सरकार द्वारा बनाया गया है। इसलिए आप इसपर भरोसा कर सकते हैं। सोने की शुद्धता का पैमाना हॉलमार्क होता है। सरकार ने अब हर गोल्ड ज्वैलरी पर हॉलमार्क को अनिवार्य बना दिया है।

यह ऐप देश में सभी प्रकार के सोने के आभूषणों पर नजर रखने में मदद करता है। सोने के अलावा बीआईएस केयर ऐप चांदी के आभूषणों को भी ट्रैक करता है। यह ऐप केवल हॉलमार्क वाले सोने और चांदी की वस्तुओं के लिए है।

कैसे करें BIS Care App का इस्तेमाल?

सोशल मीडिया एक्स (X) पर ब्योरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) ने पोस्ट केर बताया कि बीआईएस ऐप ओपन कर आप ₹verify HUID₹ सुविधा का उपयोग करके हॉलमार्क वाले गहनों की प्रामाणिकता को सत्यापित कर सकते हैं।

क्या है HUID?

HUID का पूरा नाम हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन है। HUID नंबर एक यूनिक अल्फान्यूमेरिक कोड है जिसमें छह कैरक्टर होते हैं। यह यूनिक नंबर परख और हॉलमार्किंग केंद्र में हाथ से मुहर लगाकर गहनों पर भौतिक रूप से अंकित किया जाता है।

BIS हॉलमार्क वेरिफाई करने के लिए फॉलो करें ये स्टेप

आपको अपने फोन में बीआईएस केयर ऐप को डाउनलोड करने के बाद लॉग-इन करना होगा।
इसके बाद आपको 'चेक लाइसेंसिंग डिटेल' सेक्शन पर सेलेक्ट करना होगा।
अब आपको BIS Care app पर 'Verify HUID' को सेलेक्ट करना है।
आपको HUID नंबर दर्ज करने के बाद आप उसे वेरीफाई कर सकते हैं।
इसके बाद आपको अपने ज्वैलर से रिलेडिट सभी जानकारी मिल जाएगी।

अपोलो हॉस्पिटल ने जारी किया तिमाही नतीजा, जानिए कैसा रहा कंपनी का परफॉर्मेंस

शुक्रवार को हेल्थकेयर सेक्टर के अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड (Apollo Hospitals Enterprise Ltd) ने 30 सितंबर 2023 को समाप्त तिमाही के नतीजे का एलान किया है। इस नतीजे में कंपनी ने अपना वित्तीय प्रदर्शन की जानकारी दी है। 30 सितंबर 2023 तक समाप्त तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स 294.8 करोड़ रुपये रहा।

नई दिल्ली। हेल्थकेयर प्रमुख अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड (Apollo Hospitals Enterprise Ltd) ने 30 सितंबर, 2023 को समाप्त तीन महीनों वित्तीय नतीजों का एलान किया है। इस नतीजों में कंपनी ने अपने वित्तीय प्रदर्शन की जानकारी दी है। कंपनी का प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स के लिए 294.8 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ दर्ज किया है।

पिछले वर्ष की इसी तिमाही के दौरान अपोलो हॉस्पिटल्स ने 279.1 करोड़ रुपये का प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स दर्ज किया था।

स्टैंडअलोन प्रॉफिट में आई कमी

कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि अप्रैल से सितंबर के छमाही अवधि के लिए टैक्स के बाद स्टैंडअलोन लाभ 508.9 करोड़ रुपये रहा। वहीं, पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 612.3 करोड़ रुपये था। वहीं कंपीन का कुल इनकम पिछले वर्ष की इसी तिमाही के दौरान 1,758.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,931.1 करोड़ रुपये हो गई।

30 सितंबर, 2023 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए, स्टैंडअलोन कुल आय पिछले वर्ष की समान अवधि में पंजीकृत 3,298.7 करोड़ रुपये के मुकाबले बढ़कर 3,637.3 करोड़ रुपये हो गई।

अपोलो हॉस्पिटल्स ने एक बयान में कहा कि निवेश समिति की सिफारिशों के आधार पर बोर्ड ने कंपनी के लिए एक विस्तार योजना का मूल्यांकन और मंजूरी दे दी है। इसके लिए लगभग 3,400 करोड़ रुपये का शेष पूंजी परिव्यय शामिल है। अपोलो हॉस्पिटल अगले तीन वित्तीय वर्षों में 3,400 करोड़ रुपये की लागत से आठ स्थानों पर 2,300 बिस्तर जोड़ने की राह पर है।

अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप के चेयरमैन प्रताप सी रेड्डी ने कहा

40 से अधिक वर्षों से अपोलो ने भारत में स्वास्थ्य सेवा क्रांति का नेतृत्व किया है। यह पूरे देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। हमारी अटूट प्रतिबद्धता हमें अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में निवेश और हमारी मौजूदा सुविधाओं की निरंतर वृद्धि से प्रेरित होकर, दूर-दूर तक अपनी सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है।

सरकार भारत में ईवी निर्माताओं के लिए नीति नियमों को आसान बनाने पर कर रही है विचार, सूत्रों का खुलासा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार भारत में इलेक्ट्रिक वाहन मैन्युफेक्चरिंग के लिए नीति नियमों को आसान बनाने पर काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

सूत्रों ने कहा, ₹वित्त, भारी उद्योग, सड़क परिवहन मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय जैसे विभिन्न मंत्रालय दुनिया के लिए भारत में निर्माण करने के इच्छुक विदेशी कार निर्माताओं के लिए संभावित रियायतों पर चर्चा कर रहे हैं।₹

यह भी पता चला है कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर नीतिगत निर्णयों में तेजी लाने के लिए एक बैठक की। अधिकारियों द्वारा जिन प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी उनमें इंपोर्ट ड्यूटी (आयात शुल्क) में कटौती और फास्ट अप्रूवल (तेजी से मंजूरी) शामिल हैं। इस समय, सभी कारों के आयात पर 40,000 डॉलर तक के वाहनों पर 70 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है। जबकि 40,000 डॉलर से ऊपर की कारों पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है।

अधिकारी ईवी क्षेत्र के लिए अपने समर्थन के दायरे को व्यापक बनाने के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन, एडवांस्ड सेल केमिस्ट्री जैसी विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं में बदलाव पर भी विचार करेंगे।

सूत्रों ने कहा, ₹हम टेस्ला की मेक इन इंडिया योजना पर उसके अधिकारियों के संपर्क में हैं।₹ इस जुलाई में टेस्ला की स्थानीयकरण योजनाओं पर रिपोर्ट सामने आई थी। जिसमें शुरुआत में 500,000 कारों का उत्पादन करने की क्षमता वाली एक गीगाफैक्ट्री का निर्माण भी शामिल था।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की जून में अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान मुलाकात हुई थी। भारत ने 26 जनवरी, 2024 को गणतंत्र दिवस समारोह के लिए मुख्य अतिथि बनने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को भी आमंत्रित किया है।

अब केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए 13-17 नवंबर तक अमेरिका का दौरा करने वाले हैं। उन्हें सैन फ्रांसिस्को में एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट (एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन) में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक अपने आगमन के दिन, मंत्री का टेस्ला प्रमुख एलन मस्क से मिलने का भी कार्यक्रम है।

महामहिम 20 को आ रहे हैं ओडिशा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ट्रेन से करेंगी यात्रा

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेस्वरः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ओड़िशा की यात्रा के दौरान ट्रेन से यात्रा करेंगी. बादामपहाड़ से ट्रेन द्वारा रायरंगपुर जाने की योजना है। राष्ट्रपति 20 तारीख को दोपहर करीब 5 बजकर 5 मिनट पर बारीपदा पहुंचेंगे.इस सभा में सार्वभौमिक संताली लेखक शामिल होंगे। 21 तारीख को बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन पर 3 नई ट्रेनों का शुभारंभ किया जाएगा।देश के प्रथम नागरिक ट्रेन से रायरंगपुर की यात्रा करेंगे. संबलपुर का बुर्ला मे 21 को दोपहर 1:20 बजे भिसुट आगंतुक सभा में शामिल होंगे। 22 को ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में शामिल होंगे। 22 तारीख को सुबह वह झारसुगुड़ा एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे । दौपदी मुर्मू का 20 से 22 तारीख तक ओडिशा का 3 दिवसीय दौरा है ।

42वां ट्रेड फेयर 14- 27 तक,टिकट सिर्फ ऑनलाइन

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। 42वां इंटरनेशनल ट्रेड फेयर 14 से 27 नवंबर तक नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में आयोजित होने जा रहा है। इस अन्तरराष्ट्रीय व्यापार मेले की थीम वसुधैव कुटुम्भ' पर रखी गई है। इस बार मेले में 12देशों के प्रतिनिधि भाग लेगें। इसके अलावा देश के अलग-अलग राज्यों के करीब 3500 से ज्यादा वितरक हिस्सा लेगें। ट्रेड फेयर के लिए प्रगति मैदान में 1 और 4 नंबर गेट से एंट्री होगी। गेट नंबर 10 से पास वालों की एंट्री होगी। गाडी पार्किंग की व्यवस्था भैरो रोड पर की गई है। आईटीपीओ ने इस बार अधिक टिकटों की बिक्री ऑनलाइन करने की प्लानिंग है। वहीं इस बार 93000 वर्ग मीटर एरिया की जगह 120000 वर्गमीटर दायरे में मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसी के मद्देनजर ही टिकटों की बिक्री को बढाकर 80-90 हजार से ज्यादा की एंट्री का प्रावधान किया गया है। एरिया विस्तार के बाद टिकटों की बिक्री पर कोई कैप नहीं लगाया जाएगा। लेकिन संख्या ज्यादा होने की सूरत में कैप लगाया जा सकता है। आईटीपीओ के सूत्रों के मुताबिक इस बार टिकटों की बिक्री सिर्फ ऑनलाइन से करने की है।ऑनलाइन टिकट बिक्री होने पर ट्रेड फेयर परिसर में भीड उमड़ है तो ऑनलाइन बिक्री बंद की जा सकती है। पिछले साल 67 मैट्रो स्टेशन, मदर डेयरी समेत अन्य स्थानों पर भी ट्रेड फेयर टिकट मिल रहे थे। लेकिन इस बार सिर्फ ऑनलाइन टिकटिंग की व्यवस्था रहेगी।इस बावत दो दिन के भीतर फैंसला ले लिया जाएगा।

दिवाली पर सफर हुआ मुश्किल: ट्रेनों के कोच फुल, यात्री झेल रहे धक्का-मुक्की; रोडवेज का भी हाल बेहाल

दिवाली पर सफर मश्किल हो गया है। फिर चाहे वो ट्रेन से हो या बस से। आगरा कैंट, राजा की मंडी, आगरा फोर्ट स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ दिखाई दी, तो वहीं बस स्टैंडों पर भी यात्री बसों का इंतजार करते हुए नजर आए।

आगरा में दिवाली पर ट्रेनों में मारामारी और बढ़ गई है।कोच फुल होने से यात्रियों को धक्का-मुक्की झेलनी पड़ रही है। कैंट, आगरा फोर्ट स्टेशन, राजा की मंडी स्टेशन पर पूरे दिन यात्रियों की भीड़ लगी रही।आगरा के विभिन्न स्टेशनों से रोजाना 200 से अधिक ट्रेनें गुजर रही हैं।त्योहार की वजह से ट्रेनों में यात्रियों की संख्या 20 फीसदी और बढ़ गई है। निजी कंपनी में नौकरी करने वाले फतेहाबाद रोड निवासी बलविंदर सिंह ने बताया कि होशियारपुर पंजाब में उनका पैतृक गांव हैं। बच्चों और पत्नी के साथ गांव जा रहा हूं। रिजर्वेशन नहीं हो पाया था। ट्रेनें भी फुल चल रही हैं। धक्का-मुक्की झेलनी पड़ रही है।

बसों का भी इंतजार

दिवाली पर घर जाने के लिए बस स्टैंड से लेकर चौराहों औस सड़कों तक पर यात्रियों की भीड़ रही। आईएसबीटी, ईदगाह और बिजलीघर पर यात्रियों को बस का इंतजार करना पड़ा। दिल्ली रूट पर बसें पर्याप्त नजर आईं, वहीं आसपास जिलों के लिए बसों की संख्या कम रही। रविवार को दिवाली है, शुक्रवार की दोपहर से लोगों की भीड़ बस स्टेशन पर नजर आने लगी। इसके अलावा भगवान टॉकीज, अबुल उला दरगाह, सुल्तानगंज पुलिया, वाटरवर्क्स और रामबाग फ्लाईओवर पर यात्रियों की भीड़ बस के इंतजार में खड़ी रही।

परिवहन निगम की तरफ से दिल्ली के लिए 250 बसें चलाई गईं हैं। फिरोजाबाद, एटा, मैनपुरी, कासगंज, बंदायू, बरेली और लखनऊ के लिए बस संचालित की गई। इस तरफ जाने वाली बसों में सीट को लेकर मारामारी देखने को मिली। ग्वालियर, धौलपुर, मुरैना के लिए यूपी रोडवेज के स्थान पर राजस्थान की बस अधिक सवारी बैठाने में लगी रही।

एक घंटे से इंतजार

बिजलीघर पर शबाना ने बताया कि फिरोजाबाद के लिए बस का इंतजार कर रहे है। एक घंटे से कोई बस नहीं आई है। यहां पर बैठने की भी कोई व्यवस्था नहीं है। वहीं ब्रज मोहन ने कहा कि बस काफी देर से आ रही है। राजाखेड़ा जाना है लेकिन बस नहीं मिल रही। भीड़ अधिक न होने के बाद भी बस नहीं है।

PARIVAHAN VISHESH NEWS

परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

24 घण्टे रहेगा उपल्ब्ध

1. वेब पोर्टल
2. फेसबुक
3. ट्विटर
4. लिंकडिन
5. इंस्टाग्राम
6. यूट्यूब चैनल

पर आप सभी के लिए 24 घण्टे रहेगा उपल्ब्ध

https://www.newsparivahan.com/

संपादक/ पब्लिशर
परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तीन दोस्तों का घुट गया दम: आग लगते ही लॉक हो गई कार, असहाय आंखों से देखते रहे मदद की आस

हादसे के बाद वहां पर खड़े लोग वीडियो बना रहे थे, अगर उनकी ओर से मदद की कवायद की जाती तो शायद तस्वीर कुछ और होती। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर वीडियो बनाने व तमाशा देखने वालों को दूर किया।

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर हुए हादसे में कार में लगी आग में दम घुटने से तीनों दोस्तों की मौत हुई। आग लगने के बाद कार ऑटोमेटिक लॉक हो गई।जिसे खोलने का भीतर बैठे लोगों ने प्रयास भी किया। इस बात का खुलासा फॉरेंसिक टीम की ओर से मौके पर लिए नमूने से हुआ है।कार में बैठे लोगों को इस बात की आस थी कि बाहर से गेट तोड़कर उनको कोई निकालेगा।जबकि वहां मौजूद लोग इस डर से कार से दूर रहे कि कहीं सीएनजी टैंक का धमाका न हो जाए।

हादसे के बाद कमिश्नरेट की वाहन दुर्घटना की जांच के लिए बने प्रकोष्ठ की टीम जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों की माने तो अगर उनकी समय पर मदद की जाती तो वह बच जाते। जिस समय हादसा हुआ उसके आधे घंटे बाद पुलिस उलटी दिशा में होकर पहुंची। आग बुझने के बाद गेट को तोड़कर तीनों के शवों को बाहर निकाला गया।

एक्सपर्ट बताते हैं कि आग लगने के बाद पूरा सिस्टम खराब हो जाता है। इसके बाद गेट खोलना कठिन हो जाता है। लोग तमाशा देख रहे थे। उन्होंने इसलिए वहां जाने पर जोर नहीं दिया कि उनको सिलिंडर फटने का डर सता रहा था। पोस्टमार्टम करने वाले डॉ. ललित ने बताया कि तीनों की मौत दम घुटने से हुई है, अगर उनको समय पर मदद मिल जाती तो उनकी जान बचाई जा सकती थी।

वापस आकर दोस्त से मिलने का किया था वादा

गन्नौर के रहने वाले संदीप ने पुलिस को बताया कि तीनों लोगों से मुलाकात हादसे से कुछ देर पहले हुई थी। वह कमरे पर गया तो उसे हादसे की जानकारी हुई। तीनों ने कहा था कि भिवाड़ी से गिफ्ट देकर आते हैं तो मिलते हैं। मगर काल इस तरह से तीनों को लील लेगा। उसने सपने में नहीं सोचा था।

वीडियो बनाने में ही लगे रहे लोग

हादसे के बाद वहां पर खड़े लोग वीडियो बना रहे थे, अगर उनकी ओर से मदद की कवायद की जाती तो शायद तस्वीर कुछ और होती। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर वीडियो बनाने व तमाशा देखने वालों को दूर किया।

ऑटोमैटिक कार में शीशा तोड़ने का औजार रखें साथ

कार एक्सपर्ट का कहना है कि लग्जरी कार से चलने वाले लोग अगर सुरक्षा को लेकर मिनी हथौड़ा साथ रखें तो बड़ा हादसा टाला जा सकता है। बहुत से कार में इसका प्रावधान किया गया है। अगर नहीं है तो उसका इंतजाम साथ रखें।

दिल्ली में दर्दनाक हादसा: बेकाबू ईको वैन भीड़ में घुसी, कई को टक्कर मारी, चार जख्मी

दीपावली की वजह से बाजार खरीदारों की खासी भीड़ मौजूद थी। इसी दौरान वैन चालक बड़ी तेज गति से अपनी वैन लेकर आया और उसने कई लोगों को टक्कर मार दी। बाद में वैन सामान से टकराकर खुद ही रुक गई।

नईदिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में शुक्रवार शाम एक बेकाबू मारुति ईको वैन भीड़ में घुस गई। वैन ने एक के बाद एक कई लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में चार साल के मासूम समेत चार लोग जख्मी हो गए। आनन-फानन में घायलों को नजदीकी जग प्रवेश चंद अस्पताल ले जाया गया, जहां एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

हादसे के बाद चालक मौके पर वैन छोड़कर फरार हो गया। गुस्साई भीड़ ने पहले वैन में तोड़फोड़ की, बाद में वैन को पलट दिया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को शांत कराया। बाद में वैन को कब्जे में लेकर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई। फुटेज में दिख रह रहा है कि एक ग्रे कलर की ईको वैन कई लोगों को टक्कर मारने के बाद अचानक रुक गई। इसके बाद देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। बाद में फुटेज में लोग वैन में तोड़फोड़ करते हुए दिख रहे हैं। फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

जानकारी के अनुसार हादसा शुक्रवार रात को सीलमपुर सब्जी मंडी में हुआ। दीपावली की वजह से बाजार खरीदारों की खासी भीड़ मौजूद थी। इसी दौरान वैन चालक बड़ी तेज गति से अपनी वैन लेकर आया और उसने कई लोगों को टक्कर मार दी। बाद में वैन सामान से टकराकर खुद ही रुक गई।

घटना के बाद मौके पर हहाकार मच गया। लोग अपने-अपनों को बचाने भागे। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। बाद में घायलों को निजी वाहनों से अस्पताल पहुंचाया गया। छानबीन के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उसकी पहचान कर ली गई है।

दिवाली में हाई अलर्ट पर दिल्ली पुलिस, बाजारों में कड़े इंतजाम; सीसीटीवी कैमरों से रखी जा रही नजर

दिल्ली में दीपावली को लेकर प्रमुख व अन्य बाजारों में पुलिस फ्लैग मार्च निकालकर मौजूदगी दर्ज करा रही है। दीपावली को देखते हुए अलग-अलग जिलों की पुलिस ने अर्धसैनिक बलों के जवानों को भी मंगवाया है।

दीपावली को लेकर दिल्ली के सभी प्रमुख व अन्य बाजारों में रौनक देखी जा रही है। शुक्रवार को धनतेरस पर बाजारों में जबरदस्त भीड़ उमड़ी थी। बाजारों में भीड़ को देखते हुए दिल्ली पुलिस हाई अलर्ट पर है। सभी जिलों की पुलिस अपने-अपने क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों में फ्लैग मार्च निकालकर मौजूदगी दर्ज करा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं।

त्योहारों पर दिल्ली हमेशा आतंकियों के निशाने पर रही है। ऐसे में राजधानी के सबसे व्यस्ततम और भीड़-भाड़ वाली पुरानी दिल्ली के विभिन्न बाजारों में पुलिस की तरफ से कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस द्वारा हर जगह सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जा रही है। मोर्चा और मचान बनाकर पुलिस की तैनाती की गई है। स्निफर डॉग्स की मदद से भी निगरानी रखी जा रही है। दीपावली को देखते हुए अलग-अलग जिलों की पुलिस ने अर्धसैनिक बलों के जवानों को भी मंगवाया है, इनकी चिन्हित किए गए जगहों पर तैनाती भी की गई है।

सबसे ज्यादा भीड़ वाले सदर बाजार की कई मार्केट के साथ चांदनी चौक, लाहौरी गेट के अलावा मध्य दिल्ली के पहाड़गंज, नबी करीम, कमला मार्केट, दक्षिण दिल्ली के ग्रेटर कैलाश, लाजपत नगर, सरोजिनी नगर, पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन और तिलक नगर समेत अन्य बाजारों में स्थानीय पुलिस मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के साथ मिलकर लगातार कोऑर्डिनेशन बनाए हैं।

डीसीपी नॉर्थ मनोज कुमार मीणा ने कहा कि आई एंड इयर स्कीम के तहत सदर बाजार में 1280 कैमरों की मदद से निगरानी रखी जा रही है। मुख्य जगहों पर जांच के लिए डीएफएमडी गेट लगाया गया है। पुलिसकर्मी मार्केट में गश्त कर रहे हैं। मार्केट एसोसिएशन ने भी अपने स्तर पर गार्ड की तैनाती की हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023